दैनिक करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित
● नई दिल्ली ।। शुक्रवार 09 अगस्त -2024 ● वर्ष : 8 अंक : 301 पेज-08 ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 ● मूल्य : ₹3

पुरुष हॉकी टीम ने स्पेन को 2-1 से हराकर जीत लिया कांस्य पदक

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने स्पेन को 2-1 से हराकर कांस्य पदक जीता। भारत के लिए कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने दो गोल किए और भारत को स्पेन के खिलाफ बढ़त दिलाई जो अंत में निर्णायक साबित हुई। भारत ने टोक्यो ओलंपिक में भी कांस्य पदक जीता था और अब लगातार दूसरी बार टीम पोडियम फिनिश करने में सफल रही है। भारत के अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश का यह आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला था और टीम ने इस दिग्गज खिलाड़ी को शानदार विदाई दी है। भारत की दीवार कहे जाने वाले श्रीजेश टोक्यो और पेरिस ओलंपिक में पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा हैं। भारत ने इस तरह ओलंपिक में हॉकी स्पर्धा में अपना 13वां पदक जीता।

क्या नगर निगम में नहीं चल रहा है इन दिनों सब कुछ राइट

खुलकर सामने आ गई नगर आयुक्त और मेयर की लैटर वाली फाइट!

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। नगर निगम में भले ही बाहर से सब कुछ सामान्य दिखाई दे रहा हो। बोर्ड बैठकों में शांति दिखाई दे रही हो और कांवड़ शिविर में नगर आयुक्त और मेयर एकसाथ दिखाई दे रहे हों मगर कहानी ठीक इसके विपरीत चल रही है। नगर निगम में सब कुछ राईट नहीं चल रहा है और गुरूवार को ये फाईट खुलकर सामने आ गई। पूरा मैटर तब सामने आया जब नगर आयुक्त और मेयर का एक दूसरे पर फोड़ा लैटर बम आ गया। अभी तक तो नगर निगम में मेयर और नगर आयुक्त की ट्यूनिंग की चर्चा होती थी। कांवड शिविर में दोनो एक साथ हैं, बोर्ड बैठक में एक साथ हैं और कई सामाजिक कार्यक्रमों में मेयर और नगर आयुक्त एकसाथ दिखाई देते हैं। लेकिन ऐसा क्या हुआ कि एक लोकतंत्र वाली संस्था नगर निगम की मुखिया और सरकारी विभाग के आईएएस अधिकारी और नगर निगम की कार्यपालिका के अधिकारी नगर आयुक्त के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि एक दूसरे को पत्र लिखे गये। लैटर का मैटर अलग है लेकिन सूत्र बताते हैं कि जो गंभीर मैटर है उनका इस लैटर में जिक्र नहीं है। ट्यूनिंग ऐरर तो सामने आया ही है इसके अलावा कई और विषय हैं और अब यही कहा जा रहा है कि अगर नगर निगम सदन की मुखिया और नगर निगम के आयुक्त को बीच अगर टकराव होगा तो इसका इफैक्ट विकास कार्यो पर आता है। अगर अधिकारों की बात आ जाता है तो फिर तकरारों का सीन सामने आयेगा। नगर आयुक्त ने 7 अगस्त को लैटर लिखा और इस लैटर में उन्होंने शासनादेश का हवाला दिया। जो नियम उन्होंने बताये वो बताये ही और कहानी में मोड़ तब आ गया जब नगर आयुक्त वाले पत्र में मेयर के पति का भी जिक्र आ गया। पत्रावलियों की बात हुई और फिर पत्र वार शुरू हुई। नगर आयुक्त ने लिखा कि पार्षद पति दखल ना दें। उन्होंने अपने पत्र में आफिशियल सीक्रेट एक्ट का हवाला दिया और यहां तक कह दिया कि महापौर के पति द्वारा निगम के अधिकारियों कर्मचारियों को फोन कर बिना उचित माध्यम के शासकीय पत्रावलियों को मांगने तथा सरकारी कार्य में हस्तक्षेप करने का कोई अधिकार नहीं है। जब नगर आयुक्त का ये लैटर 7 तारीख को जारी हुआ तो इस लैटर के पलटवार में मेयर का लैटर 8 तारीख जारी हुआ। मेयर ने 8 अगस्त को लैटर लिखा और सीधे नगर आयुक्त को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि मैं आश्चर्यचकित रह गई जब समाचार पत्र में मूल प्रतिलिपि आपके द्वारा छपवाई गई। मेयर ने कहा यह प्रोटोकॉल अधिनियम का खुला उल्लंधन हैं और मेयर ने कहा कि मेरे पति द्वारा पत्रावली मंगाने का आरोप पूरी तरह निधाराधार और असत्य है। कुल मिलाकर इस तकरार का सार ये है कि नगर आयुक्त के लैटर में मेयर के पति निशाने पर हैं और मेयर के लैटर में नगर आयुक्त निशाने पर हैं।

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने कहा महापौर के पति को नहीं है पत्रावली मांगने का कोई अधिकार

करंट क्राइम। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने 7 अगस्त को एक पत्र लिखा। ये पत्र उन्होंने नगर निगम के नगर आयुक्त की हैसियत से लिखा और इस पत्र में उन्होंने गाजियाबाद नगर निगम के सभी विभाग अध्यक्षों को सम्बोधित किया।

नगर आयुक्त ने अपने पत्र में लिखा कि उनके संज्ञान में आया है कि शासकीय कार्य की पत्रावलियां उनकी स्वीकृति प्राप्त किये बिना ही महापौर के पति के समक्ष प्रस्तुत की जा रही हैं।

जब कि आप अवगत ही हैं कि गाजियाबाद नगर निगम की महापौर निर्वाचित हैं और उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम 1959 के अनुसार महापौर को ही बैठक में सम्मिलित होने का अधिकार है।

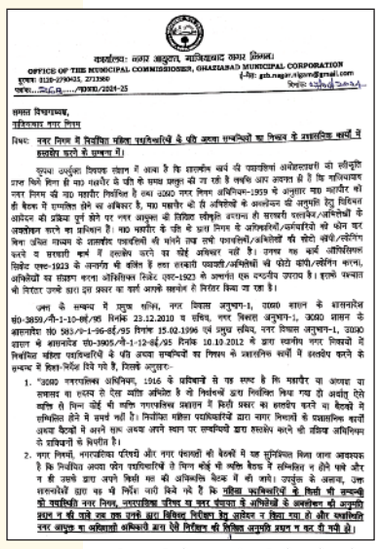

महापौर को ही अभिलेखों के अवलोकन की अनुमति हेतु विधिवत आवेदन की प्रक्रिया पूर्ण होने पर नगर आयुक्त की लिखित स्वीकृति के बाद ही सरकारी दस्तावेज अभिलेखों के अवलोकन करने का प्राविधान है। महापौर के पति के द्वारा निगम के

कार्यालय: नगर आयुक्त, गाजियाबाद नगर निगम।
OFFICE OF THE MUNICIPAL COMMISSIONER, GHAZIABAD MUNICIPAL CORPORATION
समस्त विभागाध्यक्ष,
गाजियाबाद नगर निगम
विषय: नगर निगम में निर्वाचित महिला पदाधिकारियों के पति अथवा सम्बन्धियों का निकाय के प्रशासनिक कार्यों में हस्तक्षेप करने के सम्बन्ध में।

अधिकारियों, कर्मचारियों को फोन कर बिना उचित माध्यम के शासकीय पत्रावलियों को मांगने तथा सभी पत्रावलियों, अभिलेखों की फोटोकापी, स्कैनिंग करने व सरकारी काम में हस्तक्षेप करने का कोई अधिकार नहीं है। उनका यह कार्य ऑफिशियल सीक्रेट एक्ट 1923 के अन्तर्गत एक दण्डनीय अपराध है। इसके पश्चात भी उनके द्वारा निरंतर आपके सहयोग से किया जा रहा है। नगर आयुक्त ने अपने पत्र में कई नियमों का हवाला दिया और कहा कि उनके निदेर्शों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करते हुए समस्त सम्बन्धित को अवगत करा दें। यदि निदेर्शों के क्रम में कोई प्रतिकूल तथ्य आपके संज्ञान में आता है तो सत्यापित तथ्यों के आधार पर शासन को स्थिति से अवगत कराने का कष्ट करें, ताकि उत्तरदायी के विरूद्ध नियमों के परिपेक्ष्य में तत्काल यथाप्रक्रिया, प्रभावी अनुशासित कार्यवाही की जा सके।

मेयर ने कहा शब्दावली अत्यन्त आपत्तिजनक और मेरे पति ने नहीं किया निगम कार्यालय में कभी प्रवेश

करंट क्राइम। नगर आयुक्त के लैटर के जवाब में मेयर का भी लैटर 8 अगस्त को जारी हुआ। मेयर ने अपने पत्र में सीधा सीधा लिखा कि दैनिक समाचार पत्र में आपके पत्र की मूल प्रतिलिपि आपके द्वारा छपवाई गई। यह सभी परम्परा प्रोटोकॉल, नियम अधिनियम का खुला उल्लंधन है। आप शायद यह स्थापित करना चाहते हैं कि आपको नगर निगम में निरंकुश शासन करने का अधिकार है। यह विशेष विवरण तथा शब्दावली अत्यन्त आपत्तिजनक है।

यह विशेष रूप से महिलाओं की योग्यता, क्षमता को कम आंकना, गैरकानूनी व गैर संवैधानिक है एवं एक समान अधिकार बराबरी के अधिकार का घोर अपमान है। मेयर ने कहा कि मेरे पति द्वारा पत्रावली मंगाने का आरोप पूर्ण निराधार, असत्य है।

मेरे पति ने नगर निगम कार्यालय में कभी प्रवेश भी नहीं किया है। मेयर ने भी ऑफिशियल सीक्रेट एक्ट 1923 का जिक्र किया।

उन्होंने कहा कि मूल पत्र दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित होना भी ऑफिशियल सीक्रेट एक्ट 1923 का खुला उल्लंघन है। सम्बन्धित व्यक्तियों का पत्र सम्बन्धित व्यक्ति के पास पहुंचने से पहले समाचार पत्रों एवं ठेकेदारों तक पहुंचाना भी स्वयं आपके द्वारा वर्णित नियमों का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि मेयर का नगर की जनता एवं नगर निगम के प्रति अधिकारियों से कही अधिक जिम्मेदारी है क्योंकि एक जनप्रतिनिधि का कार्य क्षेत्र व कार्य अवधि एक अधिकारी की अपेक्षा कहीं अधिक होती है। मेयर ने अपने पत्र में लिखा कि इस तरह का प्रयास जनप्रतिनिधि, कानूनों और अधिकारों को कुचलने जैसा होगा।

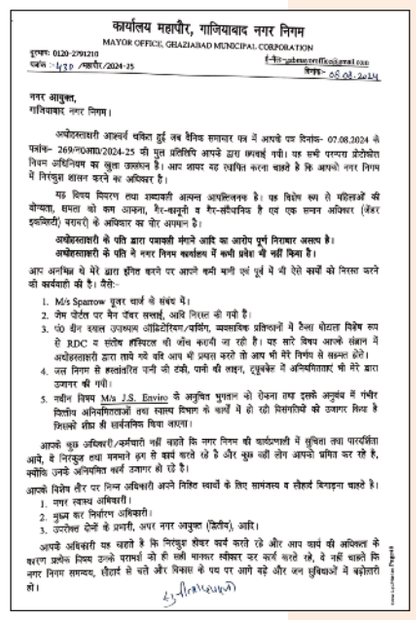

कार्यालय महापौर, गाजियाबाद नगर निगम
MAYOR OFFICE, GHAZIABAD MUNICIPAL CORPORATION
दूरभाष: 0120-2791210
पत्रांक: 430 /महापौर/2024-25
दिनांक: 08.08.2024
नगर आयुक्त,
गाजियाबाद नगर निगम।
अधोहस्ताक्षरी आश्चर्य चकित हुई जब दैनिक समाचार पत्र में आपके पत्र दिनांक- 07.08.2024 के पत्रांक- 269/न0आ0/2024-25 की मूल प्रतिलिपि आपके द्वारा छपवाई गयी। यह सभी परम्परा प्रोटोकोल नियम अधिनियम का खुला उल्लंघन है। आप शायद यह स्थापित करना चाहते है कि आपको नगर निगम में निरंकुश शासन करने का अधिकार है।
यह विषय विवरण तथा शब्दावली अत्यन्त आपत्तिजनक है। यह विशेष रूप से महिलाओं की योग्यता, क्षमता को कम आंकना, गैर-कानूनी व गैर-संवैधानिक है एवं एक समान अधिकार (जेंडर इक्वलिटी) बराबरी के अधिकार का घोर अपमान है।
अधोहस्ताक्षरी के पति द्वारा पत्रावली मंगाने आदि का आरोप पूर्ण निराधार असत्य है।
अधोहस्ताक्षरी के पति ने नगर निगम कार्यालय में कभी प्रवेश भी नहीं किया है।
1. M/s Sparrow यूजर चार्ज के संबंध में।
2. जेम पोर्टल पर मैन पॉवर सप्लाई, आदि निरस्त की गयी है।
3. पं0 दीन दयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम/पार्किंग, व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में टैक्स घोटाला विशेष रूप से RDC व संतोष हॉस्पिटल की जाँच करायी जा रही है।
4. जल निगम से हस्तांतरित पानी की टंकी, पानी की लाइन, ट्यूबवेल में अनियमितताएं भी मेरे द्वारा उजागर की गयी।
5. नवीन विषय M/s J.S. Enviro के अनुचित भुगतान को रोकना तथा इसके अनुबंध में गंभीर वित्तीय अनियमितताओं तथा स्वास्थ्य विभाग के कार्यों में हो रही विसंगतियों को उजागर किया है जिसको शीघ्र ही सार्वजनिक किया जाएगा।
1. नगर स्वास्थ्य अधिकारी।
2. मुख्य कर निर्धारण अधिकारी।
3. उपरोक्त दोनों के प्रभारी, अपर नगर आयुक्त (द्वितीय), आदि।

नगर आयुक्त ने दिये आदेश, महिला पदाधिकारियों के किसी भी सम्बन्धी को नहीं दी जाये अभिलेखों के अवलोकन की अनुमति

करंट क्राइम। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने आने पत्र में प्रमुख सचिव, शासनादेश का हवाला दिया। अलग अलग शासनादेशों का जिक्र किया और कहा कि स्थानीय नगर निकायों में निर्वाचित महिला पदाधिकारियों के पति अथवा सम्बन्धियों का निकाय के प्रशासनिक कार्यों में हस्तक्षेप करने के सम्बन्ध में दिशा निर्देश दिये गये है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1916 के प्राविधानों में स्पष्ट है कि महापौर या अध्यक्ष या सभा अध्यक्ष या सदस्य से अलग कोई भी व्यक्ति नगर पालिका प्रशासन में किसी प्रकार का हस्तक्षेप करने या बैठकों में सम्मिलित होने में समर्थ नहीं है। निर्वाचित महिला पदाधिकारियों द्वारा नगर निकायों के प्रशासनिक कार्यों अथवा बैठकों में अपने साथ अथवा अपने स्थान पर सम्बन्धियों द्वारा हस्तक्षेप करने की प्रक्रिया अधिनियम के प्राविधानों के विपरीत है। नगर आयुक्त ने अपने पत्र में स्पष्ट आदेश दिया कि महिला पदाधिकारियों के किसी भी सम्बन्धी को नगर निगम, नगर पालिका परिषद, नगर पंचायत के अभिलेखों के अवलोकन की अनुमति प्रदान न की जाये। जब तक के उनके द्वारा विधिवत निरीक्षण हेतु आवेदन न किया गया हो और नगर आयुक्त या अधिशासी अधिकारी द्वारा ऐसे निरीक्षण की लिखित अनुमति प्रदान न कर दी गई हो। नगर आयुक्त ने अपने पत्र में अधीनस्थ कर्मचारियों अधिकारियों को निर्देश दिया है कि उनके निदेर्शों का अनुपालन कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराया जाये। सभी अधिकारियों कर्मचारियों को निर्देशित किया जाता है कि बिना उचित माध्यम के कोई भी पत्रावली अभिलेख उपलब्ध ना कराया जाये और ना ही सरकारी अभिलेखों की फोटोकापी, स्कैनिंग प्रश्नगत आशय से करायी जाये। नगर आयुक्त ने अपने अधिनस्थ अधिकारियों को यहां तक लिखा कि यदि आपके द्वारा दिये गये निदेर्शों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाता है ता आप भी आफिशियल सीकेट एक्ट 1923 के अन्तर्गत संलिप्तता के आधार पर दोषी होंगे और आपके विरूद्ध भी आफिशियल सीकेट एक्ट 1923 के अन्तर्गत कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।

मेयर ने कहा कुछ अधिकारी कर्मचारी नहीं चाहते पारदर्शिता और वहीं लोग कर रहे हैं आपको भ्रमित

करंट क्राइम। मेयर ने नगर आयुक्त को पत्र लिखा और उनकी शब्दावली अपत्तिजनक बताई। कहा कि उनके पति ने कोई पत्रावली नहीं मांगी और फिर मेयर ने कहा कि नगर निगम के कुछ अधिकारी, कर्मचारी नहीं चाहते कि नगर निगम की कार्य प्रणाली में शुचिता तथा पारदर्शिता आये। वे निरंकुश तथा मनमाने ढंग से कार्य करते रहे हैं और वहीं कुछ लोग आपको भ्रमित कर रहे हैं क्योंकि उनके अनियमित कार्य उजागर हो रहे हैं। आपके अधिकारी यह चाहते हैं कि वह निरंकुश होकर कार्य करें और आप कार्य की अधिकता के कारण प्रत्येक विषय उनके परामर्श को ही सही मानकर कार्य करते रहें। वे नहीं चाहते हैं कि नगर निगम समन्वय सौहार्द से चले और विकास के पथ पर आगे बढ़े। जन सुविधाओं में बढ़ोत्तरी हो। मेयर ने नगर आयुक्त को लिखे पत्र में उनसे आग्रह किया कि एक बार वो सभी विषयों को दृष्टिगत कर आत्मअवलोकन करें जिससे कि आप अपने दायित्वों की पूर्ति के साथ साथ नगर निगम एवं नगर का उत्थान सुनिश्चित कर सकें। इसके अलावा मेयर ने कई ऐसे कार्य गिनाये जो उन्होंने नगर आयुक्त के संज्ञान में लाये और फिर उन्हे निरस्त करने की कार्यवाही हुई। जिनमें स्टेरो यूजर चार्ज, जैम पोर्टल पर मैन पॉवर सप्लाई, दीन दयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम, पार्किंग, व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में टैक्स घोटाला, जल निगम से हस्तान्तरित पानी की टंकी, पानी की लाईन, टयूबवैल में अनियमितताएं भी मेरे द्वारा उजाकर की गई।

मेयर के निशाने पर रहे नगर निगम के ये अधिकारी

करंट क्राइम। मेयर ने जब नगर आयुक्त को पत्र लिखा तो उनके निशाने पर नगर स्वास्थ्य अधिकारी, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी, इन दोनों विभागों के प्रभारी और अपर नगर आयुक्त द्वितीय रहे। मेयर ने अपने पत्र में लिखा कि विशेष तौर पर ये अधिकारी अपने निहित स्वार्थों के लिए सामजस्य एवं सौहार्द बिगाडना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि अभी मैंने स्वास्थ्य विभाग के कार्यों में हो रही विसंगतियों को उजाकर किया है। जिसको शीघ्र ही सार्वजनिक किया जायेगा।

आखिर कुछ तो वजह रही होगी अफसर और जनप्रतिनिाधि में तकरार की एक ही दिन में तो नहीं बिगड़ी है ये बात, सुलग रही थी कई दिन से आग

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। आमतौर पर ऐसा नहीं होता और अधिकारी कई बार बड़े मामलों में भी खामोशी साध जाते हैं और वो केवल शासन को अवगत कराते हैं। यहां क्या चल रहा है ये वो पब्लिकली नहीं बताते। लेकिन आईएएस विक्रमादित्य सिंह मलिक ने नगर आयुक्त के रूप में अपने विभाग की अधीनस्थ अधिकारियों कर्मचारियों को पत्र लिखा, पत्रावलियों की बात उठाई और फिर लैटर की पलटवार में मेयर सुनीता दयाल भी सामने आयीं। अब इसी बात को कर भगवा गलियारों में चर्चा है कि ये आग कई दिन से सुलग रही है और टकरार आज की नहीं है। नगर निगम की कार्यशैली को लेकर जानकार ये मानते हैं कि वर्किंग के मामले में मेयर और अधिकारी दोनों जिम्मेदार हैं। दोनों अपने अपने कार्यक्षेत्र में कर्मठ हैं। मेयर सुनीता दयाल फील्ड में उतरकर काम करती हैं मौके पर पहुंचती है

और नगर आयुक्त की कर्मठ कार्यशैली के सभी कायल हैं। वो भरी बरसात में खुद के भीगने की परवाह न करते हुए निगम की व्यवस्थाओं को अपडेट करते नजर आये। फिर अचानक से ऐसा क्या हुआ कि पत्रावलियों को लेकर उन्हें कड़ा पत्र लिखना पड़ा। पत्र की भाषा मेयर को विचित्र लगी और फिर लैटर वॉर जारी हो गई। निगम वाले सूत्र बताते हैं कि तकरार का ये बम एक दिन में नहीं फूटा है ये आग कई दिन से सुलग रही थी। उन्होंने कहा कि हाऊस टैक्स को लेकर नगर आयुक्त ने नोटिस भेजे और मेयर इसके विरोध में थी। दोनों का नजरिया अलग था। दुकानों के किराये का मुदद उठा तो नगर निगम कार्यकारिणी उपाध्यक्ष रहते हुए पार्षद राजीव शर्मा दुकानदारों के साथ आये और मोर्चा खोला। नगरआयुक्त बायो डायवर्सिटी पार्क लाये तो यहां पूर्व सीनियर पार्षद राजेन्द्र त्यागी ने मोर्चा खोल दिया। निगम सूत्र तो यहां तक बता रहे हैंकि नगर निगम की कार्यकारिणी बैठक पूरे दिन की नूरा कुश्ती के ऐसे ही स्थगित नही हुई है इसके भी कारण इंटरनल हैं। नगर निगम में कमीशन खोरी को लेकर जो शोर मच रहा है उसके तार भी कहीं ना कहीं कई महिला पार्षदों के पतियों से जुड़े हैं। कहीं सीधे ठेकेदार से डिमांड हो रही है और निगम वाले ही कहते हैं कि कुछ तो ये आग है जो धुआं उठ रहा है। वरना सड़क तो अब से पहले भी बनी है और काम भी हुए है लेकिन कमीशन खोरी का ऐसा शोर पहले कभी नहीं सुना। खुद भाजपा वाले ही यहां उस लैटर को असली वजह मान रहे हैं जो मेयर ने लेखा अधिकारी को लिखा और इस लैटर का सीधा सीधा मजमून ये था कि स्वास्थ्य विभाग के कामों की पेयमेंट हमसे सलाह मश्वरा लिये बिना ना हो। आखिर मेयर स्वास्थ्य विभाग के कामों में इतनी रूचि क्यों ले रहीं और इतनी दखल क्यों दे रही हैं। निगम वाले इसके तार जोड़ रहे हैं। वो बताते हैं कि मेयर की छापेमारी का केन्द्र बिन्दु ही स्वास्थ्य विभाग के काम है। मेयर ने तिगडी गोल चक्कर के पास कूड़ा ट्रांसफर प्लांट पर छापा मारा। यहां बताया गया कि यहां गोबर उठ रहा था ओर निगम वाले ये मान रहे हैं कि गोबर भी कूडे कीश्रेणी में आता है। अगले दिन मेयर ने फिर छापा मारा वो निरीक्षण पर निकलीं और उनके टारगेट पर स्वास्थ्य विभाग था। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के कामों के भुगतान को लेकर अधिकारी को ही पत्र लिख दिया। अब निगम वाले ये पूछ रहे हैं कि आखिर मेयर स्वास्थ्य विभाग के कामों में इतनी दखल क्यों दे रही हैं। दखल संवैधानिक है विभागीय रूप से लीगल है इसका जवाब तो निगम के अधिकारी जानते हैं और दखल देने का कारण मेयर बेहतर जानती है। सूत्र बताते हैं कि कई लैटर हैं जो इस फाईट के बढ़ाने में जिम्मेदार हैं।

यहां हर जनप्रतिनिधि लड़ता है अपनी अपनी लड़ाई

करंट क्राइम। निगम भाजपा का, लोकसभा भाजपा की, विधानसभा भाजपा की और निगम के सदन में बैठे हैं 75 भाजपाई। लेकिन उसके बाद भी ऐसी नौबत क्यों आई। इसको लेकर भाजपा वाले ही खुलकर नहीं बोलना चाहते वो किसी की नाराजगी मोल लेना नहीं चाहते। लेकिन वो बताते हैं कि यहां हर जनप्रतिनिधि अपनी लड़ाई अकेले लड़ रहा है। वो ताजा मामला उठाते हैं और बताते हैं कि लोनी विधायक ने लैटर पर लैटर लिखे और मुख्यमंत्री से भी मिले। उनकी लड़ाई में दूसरे जनप्रतिनिधि साथ तो नजर आये लेकिन वो साथ नहीं आये। अगर सब साथ होते तो बात कुछ और होती। अतुल गर्ग जब स्वास्थ्य मंत्री थे तो उन्होंने रैमेडी सीवर इंजेक्शन को लेकर पत्र लिखे थे और संतोषजनक जवाब नहीं था। लेकिन उन्होंने भी अपनी लड़ाई खुद लड़ी थी। पार्षद सचिन डागर ने पार्क में सड़क बनने का मामला उठाया और उन्होंने भी अपनी लड़ाई खुद लड़ी। राज्यसभा सांसद रहे अनिल अग्रवाल को भी एक अस्पताल उद्घाटन के मौके पर अप्रिय स्थिति का सामना करना पड़ा था और उन्होंने भी अपनी लड़ाई खुद लड़ी। जो काम विपक्ष को करना है वो भाजपा को करना पड़ रहा है। चौपला पर अंग्रेजो के जमाने से बैठे व्यापारी की दुकान तोड़ने निगम आ रहा है और भाजपा व्यापारी के समर्थन में भाजपा का पार्षद भाजपा समर्थित नेता ही नारे लगा रहे हैं। दुकानों के किराये को लेकर विरोध हो रहा है। यहां पर सबसे बड़ी बात ये है कि हर जनप्रतिनिधि अपनी लड़ाई खुद लड़ रहा है और तकरार की एक वजह ये भी है कि जिनकी सरकार है उन्हें के अफसरों से तकरार है और सरकार उनकी कब सुनेगी इस बात को लेकर उनका भी दिल बेकरार है।

देश को बांटने की कोशिश हो रही : ओवैसी

ललन सिंह का पलटवार: यह किसी धर्म के खिलाफ नहीं

नई दिल्ली। डीएमके सांसद कनिमोझी ने विधेयक का विरोध करते हुए कहा कि यह संविधान के अनुच्छेद 30 का सीधा उल्लंघन है, जो कि अल्पसंख्यकों को उनके धार्मिक संस्थों का प्रशासन करने का अधिकार देता है। यह विधेयक एक धर्म विशेष को निशाना बनाता है। वक्फ संशोधन विधेयक 2024 लोकसभा में पेश हो गया है। इसके साथ ही जैसी कि अनुमान था कि इस पर आरोप-प्रत्यारोप और राजनीति भी शुरू हो गई है। विपक्ष ने विधेयक का लोकसभा में ही विरोध शुरू कर दिया। विपक्ष ने वक्फ संशोधन विधेयक को संविधान के मूल पर हमला बताया है। वहीं सरकार का कहना है कि यह विधेयक धर्म विरोधी नहीं है और इससे धार्मिक स्थलों की कार्यप्रणाली में किसी तरह का हस्तक्षेप नहीं होगा।

'सरकार एजेंडा न चलाए'

एनसीपी एसपी सांसद सुप्रिया सुले ने विधेयक का विरोध करते हुए कहा कि 'मैं सरकार से अपील करती हूं कि वह या तो विधेयक को वापस लें या फिर उसे स्टैंडिंग कमेटी के पास भेजें। कृप्या बिना परामर्श के अपने एजेंडे न चलाएं।' आरएसपी सांसद एनके प्रेमचंद्रन ने कहा कि 'आप (सरकार) वक्फ बोर्ड और वक्फ परिषद को पूरी तरह से कमजोर कर रहे हैं। आप व्यवस्था बिगाड़ रहे हैं। यह संविधान के सिद्धांतों के खिलाफ है। मैं सरकार को आगाह करता हूं कि अगर इस विधेयक की न्यायपालिका द्वारा समीक्षा की गई तो यकीनी तौर पर यह विधेयक अटक जाएगा।' एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने वक्फ विधेयक को लेकर कहा कि 'यह विधेयक संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 25 का उल्लंघन करता है। यह विधेयक भेदभावपूर्ण और मनमाना है। यह विधेयक लाकर सरकार देश को बांटने की कोशिश कर रही है। यह विधेयक इस बात का सबूत है कि आप मुस्लिमों के दुश्मन हैं।' सपा सांसद अखिलेश यादव ने कहा कि 'ये बिल जो पेश किया गया है, वो बहुत सोची समझी राजनीति के तहत हो रहा है। मैंने सुना है कि आपके भी कुछ अधिकारों को वापस लिया जा रहा है और हम आपके लिए भी लड़ेंगे। मैं विधेयक का विरोध करता हूं।'

'यह विधेयक आस्था की आजादी पर हमला'

वक्फ संशोधन विधेयक का विरोध करते हुए कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि 'हम हिंदू हैं, लेकिन साथ ही हम दूसरे धर्मों की आस्था का भी सम्मान करते हैं। यह विधेयक इसलिए लाया जा रहा है क्योंकि महाराष्ट्र और हरियाणा में चुनाव हैं। आप नहीं समझ रहे हैं कि पिछली बार देश की जनता ने आपको पाठ पढ़ाया था। यह देश के संघीय ढांचे पर हमला है। इस विधेयक के माध्यम से ऐसा प्रावधान लाया जा रहा है कि गैर-मुस्लिम भी वक्फ गवर्निंग काउंसिल के सदस्य हो सकते हैं। यह आस्था की आजादी पर सीधा हमला है। अगली बार आप ईसाइयों, जैनियों के लिए ऐसा करेंगे। देश के लोग इस तरह की बंटवारे की राजनीति को बर्दाश्त नहीं करेंगे।' डीएमके सांसद कनिमोझी ने विधेयक का विरोध करते हुए कहा कि यह संविधान के अनुच्छेद 30 का सीधा उल्लंघन है, जो कि अल्पसंख्यकों को उनके धार्मिक संस्थों का प्रशासन करने का अधिकार देता है। यह विधेयक एक धर्म विशेष को निशाना बनाता है।

केंद्रीय मंत्री का करारा जवाब

वक्फ संशोधन विधेयक 2024 पर सरकार का पक्ष रखते हुए केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने कहा कि 'यह विधेयक मुस्लिमों के खिलाफ कैसे है? यह विधेयक सिर्फ पारदर्शिता के लिए लाया गया है..विपक्ष इसकी तुलना मंदिरों से करके मुख्य मुद्दे से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहा है। केसी वेणुगोपाल को ये बताना चाहिए कि जब हजारों सिखों को मारा गया..किस टैक्सी ड्राइवर ने इंदिरा गांधी की हत्या की? अब ये अल्पसंख्यकों की बात कर रहे हैं।' राजीव रंजन सिंह ने कहा कि वक्फ बोर्ड का गठन एक कानून द्वारा किया गया। अगर कानून के द्वारा बनाया गया कोई संस्थान तानाशाह हो जाता है तो यह सरकार का अधिकार है कि वह कानून बनाकर पारदर्शिता कायम करे। उन्होंने विपक्ष पर अफवाह फैलाकर सांप्रदायिक भेदभाव बढ़ाने का आरोप लगाया।

एनआईए ने हत्या मामले में लश्कर-ए-तैयबा के आका और 3 अन्य के खिलाफ दाखिल किया आरोप पत्र

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने इस साल फरवरी में कश्मीर में लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और उसके सहयोगी द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) द्वारा दो गैर-स्थानीय नागरिकों की हत्या के लिए एक पाक-आधारित आतंकवादी सहित चार लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया। आरोपियों आदिल मंजूर लंगू, अहरान रसूल डार उर्फ तोता, दाऊद और उनके पाकिस्तान स्थित हैंडलर जहांगीर उर्फ पीर साहब पर आईपीसी और यूए (पी) अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप-पत्र दाखिल किया गया है। एनआईए की विशेष अदालत जम्मू ने पहले ही फरार आरोपी जहांगीर के खिलाफ ओपन-एंडेड गैर-जमानती वारंट जारी कर दिया है। चारों आरोपी 7 फरवरी, 2024 की शाम को श्रीनगर के शाला कदल के करफली मोहल्ला में दो नागरिकों की नृशंस हत्या में शामिल थे। एनआईए ने इस साल जून में मामला अपने हाथ में लिया और फिर से मामला दर्ज किया। एनआईए की जांच से पता चला है कि 2023 में लश्कर में शामिल होने वाले आदिल

मंजूर लंगू को पाकिस्तानी आकाओं ने श्रीनगर, कश्मीर में आतंकी संगठन की गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया था। वह कश्मीर घाटी में पहले भी हुए आतंकी हमलों में शामिल रहा है। वह अपने करीबी सहयोगियों अहरान रसूल डार और दाऊद के साथ मिलकर जहांगीर के निदेर्शों पर काम कर रहा था, जिसने उन्हें भारत सरकार के खिलाफ युद्ध छेड़ने के इरादे से गैर-स्थानीय लोगों में भय और आतंक फैलाने के लिए श्रीनगर क्षेत्र में जिहाद शुरू करने के लिए प्रेरित किया था। तीनों ने अपने हैंडलर जहांगीर के साथ मिलकर श्रीनगर के शाला कदल में निर्दोष लोगों की हत्या की साजिश रची थी। जहांगीर के निर्देश पर आदिल और अहरान को हथियार और गोला-बारूद मिले थे, जिनका इस्तेमाल बाद में आदिल ने अपराध करने के लिए किया। दाऊद ने अपराध के सबूत मिटाने में आदिल की मदद की थी। एनआईए कश्मीर में सक्रिय आतंकवादी संगठनों पर नकेल कस रही है। क्षेत्र का सबसे बड़ा आतंकवादी समूह लश्कर-ए-तैयबा भारत सरकार द्वारा प्रतिबंधित किए जाने के बाद से अपने अभियानों को अंजाम देने के लिए विभिन्न शाखाओं के माध्यम से काम कर रहा है। लश्कर-ए-तैयबा और टीआरएफ अपने खतरनाक एजेंडे का प्रचार करने और अपनी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए सोशल मीडिया का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल करके बेरोजगार युवाओं को आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने के लिए लुभा रहा है। मामले में आगे की जांच जारी है।

राव स्टडी सेंटर हादसा: मजिस्ट्रेट जांच में एमसीडी और फायर डिपार्टमेंट दोषी, रिपोर्ट में हुआ यह खुलासा

नई दिल्ली। राव कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भर जाने से यूपीएससी के तीन अभ्यर्थियों की मौत की मजिस्ट्रेट जांच में एमसीडी और अग्निशमन विभाग द्वारा कई कानूनों के दुर्भावनापूर्ण उल्लंघन का संकेत मिला है। जांच रिपोर्ट में कहा गया है कि एमसीडी और अग्निशमन विभाग के अधिकारियों ने पहले नियमों के उल्लंघन को देखा था, इसके बावजूद भी कोई कार्रवाई नहीं की गई। मजिस्ट्रेट जांच में आईएएस स्टडी सर्कल को भी दोषी ठहराया है। राजस्व मंत्री को सौंपी गई रिपोर्ट में कई खुलासे हुए हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि राव कोचिंग सेंटर के मालिक और प्रबंधन भी छात्रों के जीवन की परवाह किए बिना बेसमेंट के खतरनाक दुरुपयोग में शामिल होकर आपराधिक लापरवाही के लिए जिम्मेदार थे। रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि बिल्डिंग में 'नियमों के उल्लंघन' को एमसीडी और फायर डिपार्टमेंट के अधिकारियों ने पहले भी देखा था, लेकिन उन्होंने कोई कार्रवाई नहीं की। जांच में छात्रों और विभिन्न विभागों के अधिकारियों सहित 15 लोगों से पूछताछ की गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि एमसीडी ने यहां नाले से अतिक्रमण नहीं हटाया। साथ ही निचले स्थान पर स्थित होने के कारण जलभराव की संभावना होने के बावजूद क्षेत्र में नालों से पिछले पांच वर्षों से गाद नहीं निकाली गई है। वहीं, अग्निशमन विभाग इस साल 1 जुलाई को निरीक्षण के दौरान एमसीडी को लाइब्रेरी के रूप में इमारत के बेसमेंट के दुरुपयोग का उल्लेख करने में भी विफल रहा।

कोर्ट ने चार सह-मालिकों की जमानत याचिका पर सीबीआई से मांगा जवाब

अदालत ने बुधवार को राजेंद्र नगर के कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में हुए हादसे के मामले में जेल में बंद बेसमेंट के चार सह-मालिकों की जमानत याचिकाओं पर सीबीआई को नोटिस जारी किया है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अंजू बजाज चंदना ने केंद्रीय जांच एजेंसी को नौ अगस्त तक अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। इसके बाद ही अदालत चार आरोपी परविंदर सिंह, तजिंदर सिंह, हरविंदर सिंह और सरबजीत सिंह की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। अदालत ने नोटिस जारी करते हुए कहा कि चूंकि एफआईआर की प्रति अदालत के सामने नहीं लाई गई है, इसलिए वह आरोपियों द्वारा दायर जमानत याचिकाओं पर फैसला नहीं कर सकती है। उच्च न्यायालय ने हाल ही में ओल्ड राजेंद्र नगर में कोचिंग सेंटर की इमारत के बेसमेंट में हुई मौतों की जांच पुलिस से लेकर सीबीआई को सौंप दी थी।

लोकसभा में अखिलेश यादव पर भड़के अमित शाह 'आप इस तरह की गोलमोल बातें नहीं कर सकते',

नई दिल्ली। संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरुवार को लोकसभा में 'वक्फ (संशोधन) विधेयक-2024' पेश किया। इस दौरान सदन में विपक्षी पार्टियों ने एक सुर में इस बिल का विरोध करते हुए हंगामा किया। सदन की कार्यवाही के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के बीच तीखी नोकझोंक भी देखने को मिली। इस दौरान अमित शाह सपा मुखिया पर भी भड़कते हुए नजर आए।

अखिलेश यादव ने वक्फ (संशोधन) विधेयक का विरोध करते हुए बोला, "यह विधेयक बहुत सोची-समझी राजनीति के तहत हो रहा है। अगर आप एक जिलाधिकारी को सब ताकत दे देंगे, आपको पता है कि एक जगह पर जिलाधिकारी ने क्या किया था, उसकी वजह से आज और आने वाली पीढ़ी तक को सामना करना पड़ा। सच्चाई ये है कि भाजपा अपने हताश, निराश और चंद कट्टर समर्थकों के

तुष्टिकरण के लिए ये बिल लाने का काम कर रही है। आज तो आपके हमारे अधिकार कट रहे हैं, याद कीजिए मैंने आपसे कहा था कि, आप लोकतंत्र के न्यायधीश हैं, मैंने सुना है इस लॉबी में कि कुछ अधिकार आपके भी छीनने जा रहे हैं।

हम लोगों को आपके लिए (स्पीकर) लड़ना पड़ेगा। मैं इस बिल का विरोध करता हूं। अखिलेश यादव के इस जवाब पर गृह मंत्री अमित शाह ने भड़कते हुए कहा, अध्यक्ष के अधिकार सिर्फ अखिलेश जी विपक्ष का नहीं, हम सब का है। आप (अखिलेश) इस तरह की गोलमोल बातें नहीं कर सकते हैं। आप अध्यक्ष के अधिकार के सरंक्षक नहीं हो। वहीं, वक्फ संशोधन बिल को लेकर यूपी में भी सियासत तेज हो गई है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "केंद्र व यूपी सरकार द्वारा मस्जिद, मदरसा, वक्फ आदि मामलों में जबरदस्ती की दखलंदाजी तथा मंदिर व मठ जैसे धार्मिक मामलों में अति-दिलचस्पी लेना संविधान व उसकी धर्मनिरपेक्षता के सिद्धान्त के विपरीत अर्थात ऐसी संकीर्ण व स्वार्थ की राजनीति क्या जरूरी? सरकार राष्ट्रधर्म निभाए। मंदिर-मस्जिद, जाति, धर्म व साम्प्रदायिक उन्माद आदि की आड़ में कांग्रेस व भाजपा आदि ने बहुत राजनीति कर ली और उसका चुनावी लाभ भी काफी उठा लिया, किन्तु अब देश में खत्म हो रहा आरक्षण व गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई, पिछड़ापन आदि पर ध्यान केंद्रित करके सच्ची देशभक्ति साबित करने का समय।"

उन्होंने आगे लिखा, "आज संसद में पेश वक्फ (संशोधन) विधेयक पर जिस प्रकार से इसको लेकर संदेह, आशंकाएं व आपत्तियां सामने आई हैं, उसके मद्देनजर इस बिल को बेहतर विचार के लिए सदन की स्थायी (स्टैंडिंग) समिति को भेजना उचित। ऐसे संवेदनशील मुद्दों पर सरकार अगर जल्दबाजी न करे तो बेहतर।"

न्यूज डायरी

केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 20 अगस्त तक बढ़ी

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 20 अगस्त तक बढ़ा दी गई है। केजरीवाल की हिरासत की अवधि समाप्त होने पर तिहाड़ जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए गुरुवार को राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया। इससे पहले सोमवार को दिल्ली हाई कोर्ट ने भ्रष्टाचार मामले में सीबीआई द्वारा उनकी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी थी।

न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा की पीठ ने केजरीवाल को रिहाई के लिए निचली अदालत का दरवाजा खटखटाने को कहा। दिल्ली हाई कोर्ट ने हालांकि भ्रष्टाचार मामले में उनकी जमानत याचिका पर अभी फैसला नहीं सुनाया है। सीबीआई ने सीएम केजरीवाल और अन्य आरोपियों के खिलाफ एक विशेष अदालत में अपनी चार्जशीट दाखिल की है।

ईडी ने पहले ही मनी लॉन्ड्रिंग मामले में चार्जशीट दायर कर दी है, जिसमें आप और इसके राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को आरोपी बनाया गया है। 12 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अंतरिम जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया था, लेकिन सीबीआई द्वारा गिरफ्तार किए जाने के चलते वो जेल से बाहर नहीं आ सके। सीएम केजरीवाल वर्तमान में शराब घोटाला से जुड़े भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में तिहाड़ जेल में बंद हैं। बुधवार को उन्होंने दिल्ली के एलजी वी.के. सक्सेना को पत्र लिखकर सूचित किया कि इस स्वतंत्रता दिवस पर उनकी जगह शिक्षा मंत्री आतिशी ध्वजारोहण करेंगी। छत्रसाल स्टेडियम में दिल्ली सरकार के कार्यक्रम में पारंपरिक रूप से मुख्यमंत्री तिरंगा फहराते हैं। लेकिन केजरीवाल इस बार जेल में हैं। इसलिए उन्होंने अपनी जगह आतिशी को झंडा फहराने के लिए अधिकृत किया है।

हेरोइन और छह लाख रुपये ड्रग मनी के साथ महिला तस्कर गिरफ्तार, पाकिस्तान से मंगवाई थी नशे की खेप

पंजाब। पंजाब के फिरोजपुर में महिला नशा तस्कर को सीआईए स्टाफ ने गिरफ्तार किया है। महिला के साथ उसका एक साथी भी पकड़ा है। आरोपियों से पाकिस्तान से मंगवाई गई छह किलो 655 ग्राम हेरोइन और छह लाख रुपये की ड्रग्स मनी बरामद हुई है। पंजाब के फिरोजपुर में पाकिस्तान सीमा से नशा तस्करी की घटनाएं थम नहीं रही हैं। सीआईए स्टाफ ने पाकिस्तान से ड्रोन के जरिये आई हेरोइन की खेप कार में लेकर जा रहे एक महिला तस्कर और उसके साथी को गिरफ्तार किया है। तलाशी के दौरान छह किलो 655 ग्राम हेरोइन व छह लाख रुपये की ड्रग्स मनी बरामद की है। दोनों आरोपियों का पिछला रिकॉर्ड आपराधिक है। थाना घल्लखुर्द पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एसएसपी सौम्या मिश्रा ने बताया कि सीआईए स्टाफ को मुखबिर ने सूचना दी थी कि आरोपी हेरोइन बेचने का धंधा करते हैं। पाकिस्तान से ड्रोन के माध्यम हेरोइन की खेप आई है। आरोपी खेप उठाकर इनोवा गाड़ी में उसे आगे सप्लाई करने जा रहे हैं। वे मुदकी की पुरानी सड़क से गुजरेंगे। सीआईए स्टाफ ने बताई जगह पर नाकाबंदी कर आरोपियों को कार समेत काबू कर लिया। तलाशी लेने पर कार से पीली टेप से लिपटे पैकेट मिले, इनमें छह किलो 655 ग्राम हेरोइन और छह लाख रुपये की ड्रग्स मनी बरामद हुई।

कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने झारखंड के नेताओं के साथ की बैठक, खड़गे बोले, फिर बनाएंगे सरकार

रांची। झारखंड में विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व रणनीति बनाने में जुटा है। इसी कड़ी में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को नई दिल्ली में झारखंड कांग्रेस के प्रमुख नेताओं से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रदेश में एक बार फिर इंडिया गठबंधन की सरकार बनाने की रणनीति को सफल बनाने में जुट जाएं। खड़गे ने झारखंड के कांग्रेस नेताओं से साथ मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, ₹हमने प्रण लिया कि आने वाले झारखंड चुनाव में जनता के पास सुदृढ़ता से जाकर, संगठन को मजबूत करके हम पुनः इंडिया गठबंधन की सरकार प्रदेश में

बनाएंगे। झारखंड की जनता के जल, जंगल, जमीन और हमारी जनजातीय सभ्यता का संरक्षण हमारा संकल्प है। इससे पहले पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल ने दिल्ली में झारखंड कांग्रेस के नेताओं के साथ बैठक की थी। इस दौरान विधानसभा चुनाव में सीट शेयरिंग, चुनावी मुद्दों और संगठनात्मक कार्यक्रमों पर मंथन किया गया। बैठक में झारखंड कांग्रेस के प्रभारी गुलाम अहमद मीर भी मौजूद रहे। केसी वेणुगोपाल ने पार्टी के करीब दो दर्जन नेताओं से 'वन टू वन' मीटिंग कर विधानसभा चुनाव के संबंध में फीडबैक लिए और आवश्यक निर्देश दिए। झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने बताया कि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के निर्देश और निर्धारित कार्यक्रमों के अनुसार बूथ स्तर पर जनता से संवाद का कार्यक्रम लगातार चलाया जा रहा है।

जनसंवाद कार्यक्रम में कांग्रेस नेता राहुल गांधी से भी शामिल होने का अनुरोध किया गया है। स्ट्रेटजी मीटिंग और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष से मुलाकात के दौरान प्रदेश अध्यक्ष के अलावा पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष जलेश्वर महतो, बंधु तिर्की, शहजादा अनवर, मंत्री रामेश्वर उरांव, सांसद सुखदेव भगत, कालीचरण मुंडा, पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. अजय कुमार, विधायक प्रदीप यादव, प्रदीप बलमुचू सहित अन्य नेता शामिल रहे।

अक्टूबर से पहले जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने की हो सकती है घोषणा : केंद्रीय मंत्री

श्रीनगर। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री (एमओएस) रामदास अठावले ने गुरुवार को कहा कि इस साल अक्टूबर से पहले जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने की घोषणा हो सकती है। यहां मीडिया को संबोधित करते हुए, एमओएस ने कहा, केंद्र इस साल अक्टूबर से पहले जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने की घोषणा कर सकता है। अक्टूबर में विधानसभा चुनाव भी हो सकते हैं। अक्टूबर से पहले महाराष्ट्र, झारखंड और हरियाणा में चुनाव होने हैं।

मंत्री ने कहा,मुझे लगता है कि अक्टूबर से पहले राज्य का दर्जा बहाल किया जा सकता है और अक्टूबर में चुनाव भी हो सकते हैं। उन्होंने लोगों से रिकॉर्ड तोड़ मतदान करने की अपील की। उन्होंने दोहराया कि गृह मंत्री ने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के

समय घोषणा की थी कि विधानसभा चुनाव और राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा। उन्होंने लोकसभा चुनावों में यहां भारी मतदान और लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए लोगों की सराहना की। उन्होंने कहा कि श्रीनगर में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के साथ उनकी आधे घंटे की बैठक काफी सार्थक रही। केंद्रीय मंत्री ने कहा, अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद से पर्यटन में काफी वृद्धि हुई है।

जब तक मर नहीं गई, बहन का गला दबाए रखा

मेरठ । मेरठ में बीच सड़क हत्या, चिल्लाता रहा- ये मेरे बाप को खा जाएगी अरे! इसने मेरे बाप की इज्जत खराब कर दी। ये मेरे बाप को खा जाएगी। मरता आदमी क्या नहीं करता, अगर मैं इसे नहीं मारता तो हमारा बाप मर जाता। ये तीन बार घर से भाग चुकी है। ऐसी को मारता नहीं तो क्या करता? जिसने बाप की इज्जत खराब कर दी। ये कहना है मेरठ में बहन की बीच सड़क हत्या करने वाले आरोपी भाई का। दिनदहाड़े किशोरी की गला दबाकर हत्या कर दी थी। इसका वीडियो सामने आया। वीडियो में दिख रहा है कि वो उसका तब तक गला दबाता रहा, जब तक मर नहीं गई। इस दौरान भी वो चिल्लाते हुए यही कहता है- अरे मेरे बाप को खा जाएगी। हैरानी की बात है कि मौके पर कई बच्चे और बड़े खड़े रहे। राहगीर निकलते रहे, लेकिन किसी ने आरोपी को रोकना मुनासिब नहीं समझा।

8 साल बाद रेगिस्तान में बहने लगी नदी : मिट्टी के धोरों में झरने, घर डूबे

राजस्थान। जैसलमेर में रेत के बड़े-बड़े टीलों और मीलों फैले रेगिस्तान की तस्वीर इन दिनों बदली हुई है। इन दिनों तेज बारिश के दौर ने रेगिस्तान में समंदर के जैसा मंजर बना दिया है। पानी के लिए तरसने वाले रेगिस्तान में इन दिनों नदियां बह रही हैं। बारिश ने ऐसा नजारा बदला है कि मानो रेगिस्तान समंदर में तब्दील हो चुका हो। जैसलमेर में इन दिनों जोरदार बारिश में सब कुछ तहस-नहस हो रहा है, सड़क पर गाड़ियां थम चुकी हैं, रफ्तार पर ब्रेक लग चुका है। रेगिस्तान में बस हर ओर पानी ही पानी नजर आ रहा है। इस बारिश ने सैकड़ों पशुओं समेत 3 लोगों की जान भी ले ली है।

बारिश से बिगड़े हालात

भारत-पाकिस्तान सीमा पर बसे जैसलमेर जिले में बारिश से हालात बद से बदतर हो चुके हैं। साल 2006 के

बाद पहली बार शहर में ऐसी बाढ़ आई है, जिसने सब कुछ तबाह-बर्बाद कर दिया है। जिले में अगस्त महीने में 2016 के बाद पहली बार इतना पानी बरसा है।

तालाब हुए ओवरफ्लो, खेतों में भरा पानी

पिछले कई दिनों से जारी बारिश से खेतों में पानी भर गया है, तालाब ओवरफ्लो होकर टूट चुके हैं। बारिश का पानी कई गांव-ढाणियों को टापू बना चुका है। हर जगह सड़क मार्ग टूटे हैं और कई गांवों

से संपर्क भी टूट चुका है।

कलेक्टर हालात का ले रहे जायजा

जिला प्रशासन की ओर से राहत और बचाव का काम जारी है, लेकिन इंतजाम नाकाफी साबित हो रहे हैं। तबाही इतनी बड़ी है कि प्रशासन भी हर जगह पर मदद पहुंचाने में काफी वक्त लगा रहा है। हालांकि कलेक्टर खुद मौके पर जाकर मौका मुआयना कर रहे हैं, मगर मीलों फैले इस जिले में हर जगह समय पर पहुंचने में भी काफी समय लगता है।

लोग बोले- 25 साल बाद देखा ऐसा मंजर

सम गांव के जानब खान ने बताया कि बरसात का पानी लगातार गांव में आ रहा है। ऐसे में लोग बहुत भयभीत है। ऐसी भारी बारिश का मंजर उन्होंने अपने गांव में 25 साल बाद ही देखा है। जब चारों तरफ पानी ही पानी है। बरसात के समय तो पर्यटन स्थल सम का संपर्क भी टूट गया था।

भारतमाला सड़क मार्ग तक पहुंचना भी मुश्किल

वहीं सम-धनाना गांव का रास्ता भी बंद हो गया है जिससे भारतमाला सड़क मार्ग तक पहुंचना भी मुश्किल हो गया है। जानब खान ने बताया कि समय रहते अगर गांव से पानी की निकासी नहीं की गई तो बहुत नुकसान हो सकता है।

सड़क हादसे में मददगार को मिलेंगे 10 हजार रुपये

पटना। बिहार में सड़क हादसे में घायलों की मदद करने वालों को बिहार सरकार 10 हजार रुपये का पुरस्कार देगी। यह जानकारी बिहार सरकार में मंत्री शीला मंडल ने गुरुवार को दी। पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने बताया कि हमारी सरकार उन लोगों को प्रोत्साहित करती है, जो सड़क हादसे में घायलों की मदद के लिए आगे आते हैं। शीला मंडल ने बताया कि बिहार सरकार पहले मददगारों को पांच हजार रुपये का प्रोत्साहन देती थी। लेकिन, अब सरकार इसे पांच हजार से बढ़ाकर 10 हजार कर रही है।

NAME CHANGED

I have changed my name from Puja to puja Shukla and I will be know as Puja Shukla for all future references.

Address-E-201,Ansal Elegance ,avantika extension ,ghaziabad

दैनिक
करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com
03 • नई दिल्ली ।। शुक्रवार 09 अगस्त-2024 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

व्यापारियों के आक्रोश के बाद फिर टली निगम की अतिक्रमण हटाने वाली कार्रवाई

भाजपा महानगर अध्यक्ष की चेतावनी, अगर व्यापारियों पर चला बुलडोजर तो मैं और मेरा संगठन देंगे निगम के खिलाफ धरना

व्यापारियों ने बंद कर दिए थे आसपास के सभी बाजार, विरोध के चलते भारी संख्या में मौजूद रहा पुलिस बल

गाजियाबाद, करंट क्राइम । घंटाघर चौपला हनुमान मंदिर के निकट मित्तल प्रेशर कुकर और उनकी दुकान पर नगर निगम की ओर से गुरुवार को फिर अतिक्रमण अभियान शुरू होने की सूचना थी। इस अभियान की सूचना जैसे ही व्यापारियों को मिली तो सुबह से ही बड़ी संख्या में व्यापार मंडल के अलग-अलग अध्यक्ष और प्रमुख नेता बड़ी संख्या में चौपला मंदिर के निकट दुकान के बाहर जमा हो गए। गुस्साएं व्यापारियों ने दरी बिछाकर नगर निगम के खिलाफ प्रदर्शन शुरू कर दिया। वहीं व्यापारियों की भीड़ बढ़ती देख भारी संख्या में पुलिस बल और पीएसी को वहां बुला ली गई थी। मौके पर व्यापारियों को सूचना थी कि नगर निगम का दस्ता यहां कार्रवाई करने आ रहा है। व्यापारियों के धरने पर बैठने और अतिक्रमण हटाने की जानकारी जैसे ही भाजपा महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा को मिली ,तो वह पदाधिकारी के साथ वहां पहुंचे और निगम के अधिकारियों से फोन पर बातचीत कर उन्हें चेतावनी दी कि अगर किसी भी व्यापारी के खिलाफ कार्रवाई की गई और उनके घर, दुकान या कार्यालय पर बुलडोजर चलाया गया तो वह शांत नहीं बैठेंगे। संजीव शर्मा ने कहा कि संगठन के साथ धरने पर बैठ जाएंगे। इसके बाद बताया जा रहा है कि नगर निगम के अधिकारियों ने यह सूचना अन्य अधिकारियों को अवगत कराई और यह अतिक्रमण हटाने की यह कार्रवाई टाल दी गई। वहीं अध्यक्ष संजीव शर्मा व स्थानीय पार्षद राजीव शर्मा का नाम लेकर व्यापारियों ने जिंदाबाद के नारे भी लगाए।

जब व्यापारियों ने लगाए संजीव शर्मा और राजीव शर्मा जिंदाबाद के नारे

करंट क्राइम । चौपला पर बनी प्रेशर कुकर मित्तल शॉप को लेकर नगर निगम अतिक्रमा हटाने पहुंचा था। इस दौरान स्थानीय पार्षद राजीव शर्मा खुद नगर निगम की कार्रवाई की विरोध में धरने पर बैठ गए। उनके साथ व्यापारी नेता संजीव लहौरिया, राजू छाबड़ा, उदय गुलाटी, कासिम प्रधान, अनुराग गर्ग, विनय सिंघल, संदीप बंसल, संजीव मित्तल ,राकेश स्वामी, मयंक गर्ग सहित बड़ी संख्या में व्यापारी नेता जमा हो गए। सभी ने नगर निगम और अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी और कहा कि अगर किसी भी एक व्यापारी की दुकान पर बुलडोजर चला तो वह सब अनिश्चितकालीन धरना और बाजार बंद कर देंगे। इस दौरान स्थानीय पार्षद राजीव शर्मा ने भाजपा महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा को बुलवाया। संजीव शर्मा मौके पर पहुंचे, उनके साथ पप्पू पहलवान और संदीप त्यागी मौजूद रहे। भाजपा महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा ने व्यापारियों के हक की आवाज उठाई और कहा कि अगर नगर निगम के अधिकारियों ने यहां बुलडोजर की कार्रवाई की तो वह संगठन के साथ धरने पर बैठ जाएंगे। इसके बाद नगर निगम का कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया।

व्यापारियों ने एक के बाद एक बंद किया पुराना बाजार

करंट क्राइम । गुरुवार को नगर निगम की कार्रवाई के विरोध में व्यापारी लामबंद और एकता का संदेश देने में सफल रहे। जैसे ही चौपला मंदिर पर नगर निगम का दस्ता पहुंचा, तो बड़ी संख्या में व्यापारियों ने अपनी दुकान और प्रतिष्ठान बंद करना शुरू कर दिए। चौपला मंदिर के बाद सिहानी गेट, डासना गेट, घंटाघर, अनाज मंडी सहित प्रमुख बाजारों को बंद करवा दिया गया था और लोगों को भी दुकानदार सामान नहीं दे रहे थे। जिसके बाद बड़ी संख्या में यहां पीएसी और पुलिस बल को भी मौके पर बुलाया गया। खुद कोतवाली प्रभारी रवि बालियान यहां बड़ी संख्या में पुलिस के साथ मौजूद रहे।

व्यापारियों ने कर ली थी लंबे प्रदर्शन और आंदोलन की तैयारी

करंट क्राइम । व्यापारी नेता संजीव लाहौरिया और राजू छाबड़ा ने जानकारी दी है कि गलत तरीके से नगर निगम लगातार व्यापारियों का उत्पीड़न कर रहा है। कभी टैक्स में बढ़ोत्तरी कर दी जाती है, तो कभी दुकानों का किराया बढ़ाने को लेकर परेशान किया जाता है। साथ ही उन्होंने कहा कि जिस तरीके से अतिक्रमण के नाम पर व्यापारी के साथ कार्रवाई का नगर निगम ने प्लान किया था, वैसा ही प्लान व्यापारियों ने भी तैयार कर लिया था। व्यापारियों ने गुरुवार को शुरू किए गए धरना स्थल पर कुर्सियां, टेंट, मेज पानी और अन्य व्यवस्थाएं भी कर ली थी ताकि अगर यह आंदोलन लंबा चलेगा तो वह उसमें भी वो पीछे नहीं हटेंगे।

यह है पूरा मामला

करंट क्राइम। दरअसल चौपला मंदिर पर बाजार में मित्तल प्रेशर कुकर वालों की दो दुकान हैं। उनके मालिक बिजेंदर नारायण मित्तल ने बताया है कि 1956 से वह यह दुकान चला रहे हैं। उनका एक विवाद महिला व कुछ लोगों से है। उन्होंने नेहरू नगर में मकान लिया था ,जिस पर कुछ लोग उनसे रंजिश मान रहे हैं और उन्हीं लोगों ने उनकी झूठी शिकायत की है। उन्होंने बताया कि जो लोग उनको दुकान खाली करने और अतिक्रमण की शिकायत निगम तक पहुंच रहे हैं उसमें महिला द्वारा उनसे सवा 2 करोड रुपए की मांग की गई थी। आरोप है कि महिला और उसके परिवार पर लगभग 40 मुकदमे भी दर्ज हैं। बीते दिनों नगर निगम ने इसे तोड़ने की चेतावनी दी थी, इसके बाद व्यापारियों ने विरोध प्रदर्शन किया, तो गुरुवार को भी यही क्रम अपनाया गया और नगर निगम फिर एक बार कार्रवाई नहीं कर सका।

जब कांग्रेस नेता सुशांत गोयल भी आए व्यापारियों के साथ

करंट क्राइम । गाजियाबाद का पुराना इलाका चार गेटों के भीतर बंद होता है। यहां की राजनीति और समर्थन भी अलग ही देखने को मिलता है। गुरुवार को जब नगर निगम मित्तल कुकर प्रेशर स्टोर और उनकी दुकान पर अतिक्रमण के नाम पर बुलडोजर की कार्रवाई करने के लिए एकत्रित हो रहा था, तो वहां कांग्रेस के नेता और विधानसभा चुनाव लड़ चुके सुशांत गोयल भी पहुंच गए। उन्होंने व्यापारियों से बातचीत की और अपना समर्थन दिया। साथ ही जब भाजपा महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा व्यापारियों के साथ वार्ता कर रहे थे, तो सुशांत गोयल भी कंधे से कंधा मिलाकर व्यापारियों के साथ नजर आए।

बांग्लादेशी हिन्दुओं के साथ हो रहे अत्याचार के विरुद्ध प्रदर्शन

सांसद अतुल गर्ग ने हिंदुओं के साथ हो रहे अमानवीय व्यवहार की कड़ी निंदा की

गाजियाबाद, करंट क्राइम। पिछले कई दिनों से बांग्लादेश में हो रही हिंदुओं पर हिंसा के खिलाफ डॉ. पवन सिन्हा 'गुरुजी' के मार्गदर्शन में पावन चिंतन धारा आश्रम के आह्वान पर विरोध प्रदर्शन में बड़ी संख्या में लोग गाजियाबाद के दुर्गा भाभी चौक पर एकत्रित हुए। इस प्रदर्शन में आश्रम के संस्थापक परमपूज्य डॉ. पवन सिन्हा 'गुरुजी' सहित गाजियाबाद के माननीय लोकसभा सांसद अतुल गर्ग तथा राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवाल भी उपस्थित रहे।

राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवाल ने हिंदुओं के समर्थन में उठाई पुरजोर आवाज

गुरुजी ने भारत सरकार से हिंदू शरणार्थियों को भारत में जल्द से जल्द शरण देने का अनुरोध किया। साथ ही नागरिकता संशोधन अधिनियम और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर को शीघ्र लागू करने का अनुरोध किया अन्यथा पाकिस्तान और बांग्लादेश में बढ़ती समस्याओं का असर भारत पर पड़ेगा। गुरुजी ने ये निवेदन किया कि बांग्लादेश और पाकिस्तान से आ रही भड़काऊ खबरों का भारत की शांति और सौहार्द पर फर्क नही पड़ना चाहिए, सब मिलजुलकर रहें। राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवाल ने भी बांग्लादेशी हिंदुओ के समर्थन में पुरजोर आवाज उठाई। सांसद अतुल गर्ग ने भी बांग्लादेश में हिंदुओं के प्रति हो रहे अमानवीय व्यवहार की कड़ी निंदा की।

गौरतलब है इस विरोध प्रदर्शन में पावन चिंतन धारा आश्रम के सैंकड़ो साधको सहित व्यापारी वर्ग के लोगों ने बांग्लादेश में उत्पन्न अनिश्चितता, हिंसा एवं अराजकता पर मिलकर रोष प्रकट किया तथा बांग्लादेश के हिंदु भाई बहनों के लिये एकजुट होने का आह्वान भी किया।

जातिभेद छोड़, हिन्दू अस्मिता के लिए खड़ा होना होगा : डॉ. पवन सिन्हा 'गुरुजी'

करंट क्राइम। डॉ पवन सिन्हा 'गुरुजी' ने आक्रोश प्रकट करते हुए कहा कि जहां कहीं भी हिंदू समाज बहुसंख्यक है वह अल्पसंख्यक को सुरक्षा देता है, उनका सम्मान करता है, उनके धार्मिक स्थलों की सुरक्षा करता है एवं भाईचारे के साथ संबंध निभाता है। परन्तु इसके विपरीत, जहां कहीं भी हिन्दू अल्पसंख्यक होता है वहाँ उस पर अत्याचार होते हैं, जिसका प्रत्यक्ष प्रमाण आज बांग्लादेश है जहां हिन्दू मंदिरों में घुसकर मूर्तियों को तोड़ा जा रहा है तथा हिन्दू संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। हिन्दू महिलाओं के सम्मान के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। निर्दोष लोगों को धर्म के आधार पर निशाना बनाया जा रहा है। श्री गुरुजी ने आगे कहा कि हिंदुओं को एकजुट होना होगा क्योंकि स्ट्रेंथ ही डिफेंस है। जातिभेद को छोड़, हिन्दू को हिन्दू अस्मिता के लिए खड़ा होना होगा, अपनी आवाज मुखर होकर उठानी होगी!

भोले की रही कृपा, नहीं हुआ बाल भी बांका

भाजपा की महिला नेता को था सांप ने काटा

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। आज नागपंचमी है और विशेष खबर ये है कि सावन माह में सांपों की कृपा भाजपाईयों पर कुछ ज्यादा रही है। विपक्ष के किसी नेता को सांप नहीं दिखा है लेकिन भाजपा के विधायक से लेकर भाजपा की महिला पदाधिकारी को सांप दिखा है। विधायक पर तो फिर भी कृपा रही लेकिन महिला पदाधिकारी को तो सांप ने काट ही लिया। भाजपा विधायक अपने फार्म हाऊस पर थे और इधर वो ध्यान लगा रहे थे और उधर नाग उनके सामने आकर फल फैलाकर बैठ गया। सावन का महीना है सांपो का निकला आम है लेकिन इन सांपो का भाजपाईयों के ही आमना सामना हो विशेष बात है। विधायक के सामने नाग फन फैलाकर बैठ गया और शुक्र ये रहा कि दोनों के बीच कई फुट की दूरी थी और जब विधायक की आंख खुली तो नाग को देखकर उनकी आंख खुली रह गई और वह तुरंत वहां से उठ गये और अब दूसरा मामला भाजपा महिला मोर्चा की पदाधिकारी का है। गाजियाबाद की भाजपा महिला मोर्चा की इन नेता को तो सांप ने काट ही लिया। मगर फिर भी कुछ ईश्वर की कृपा रहीं कि वह बच गई। भाजपा महिला मोर्चा की इन नेता को सांप ने तब काटा जब वो सो रहीं थी। जब वह सुबह सोकर उठीं तो देखा पैर में सूजन है और फफोले पड़ चुके थे। पैर में दर्द था और जब जांच कराई तो पत चला कि भाजपा महिला मोर्चा की पदाधिकारी को सांप ने काटा है गनीमत ये रही कि सांप जहरीला नहीं था। ये भाजपा महिला मोर्चा की पदाधिकारी उदिता त्यागी हैं वह भाजपा महिला मोर्चा की संयोजिका है। उदिता त्यागी कांवड़ लेने के लिए गईं थी और जब वह कांवड़ लेकर आ रहीं थी तो दूसरे दिन उन्होंने निर्धारित स्थल पर रात्रि विश्राम किया और वहीं पर उनके साथ ये घटना घटी। गनीमत ये रही कि सांप जहरीला नहीं था और उन्हें कोई आंच नहीं आई।

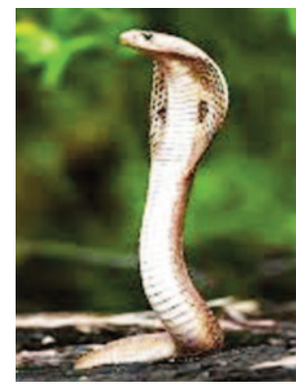

मां-बाप अनजान, अनफिट बसों में स्कूल पहुंच रही है जिंदगी

गाजियाबाद में 127 स्कूलों की ऐसी बस जिन पर नहीं है वाहन फिटनेस, 226 वाहन हो चुके हैं एक्सपायर

गाजियाबाद , करंट क्राइम । परिवहन विभाग के अधिकारी इन दिनों स्कूलों और कॉलेजों में चलने वाले वाहनों को लेकर अभियान चल रहे हैं। इस अभियान के तहत परिवहन विभाग गाजियाबाद ने गाजियाबाद के 125 ऐसे स्कूलों व कॉलेजों को चिन्हित किया है जिनके वाहनों पर फिटनेस टेस्ट पास नहीं हैं। साथ ही इन स्कूलों को गाजियाबाद परिवहन विभाग की ओर से नोटिस भी भेजा गया है, अब स्कूलों को थानाबार विभाजन करते हुए अधिकारियों को स्कूलों में जाकर व्यक्तिगत रूप से संपर्क कर अनफिट वाहनों को फिटनेस प्राप्त कराने के लिए प्रेरित किया जाएगा। नियमों को ना मानने वालों पर विभागीय कार्रवाई भी की जाएगी। संभागीय परिवहन अधिकारी पर्वतन केडी सिंह ने बताया है कि कुछ स्कूलों को चेतावनी और समय अवधि भी प्रदान की गई है।

वहीं शिक्षा विभाग के अधिकारियों को भी कहा गया है कि वह ऐसे स्कूलों से संपर्क करें और यह फिटनेस सूची जल्द से जल्द अपडेट करने का कार्य करें।

226 एक्सपायर वाहन भी हो रहे हैं इस्तेमाल

करंट क्राइम । परिवहन विभाग के आंकड़ों से जानकारी मिली है कि गाजियाबाद के कई प्रतिष्ठित और बड़े स्कूल-कॉलेजों के कुल 226 ऐसे वाहन हैं, जो राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण यानी एनजीटी के आदेशों के अनुरुप 10 वर्ष पुराने डीजल और 15 वर्ष पुराने पेट्रोल वाहन संचालित कर रहे हैं। ऐसे स्कूल, कॉलेजों के प्रबंधक प्रधानाचार्य को वाहनों से संबंधित नोटिस जारी किया गया है तथा ऐसे वाहनों का रजिस्ट्रेशन भी जल्द निरस्त किया जा सकता है। अधिकारियों का कहना है कि लिस्ट तैयार कर ली गई है, जिसको सार्वजनिक कर दिया गया है। अगर जल्द ही स्कूल-कॉलेजों ने ऐसे वाहनों की एनओसी प्राप्त नहीं की तो उन पर कार्रवाई भी होगी।

हादसों से सबक नहीं ले रहे स्कूल-कॉलेज, अधिकारियों ने जारी की लिस्ट

करंट क्राइम । परिवहन विभाग द्वारा 226 ऐसे वाहनों की लिस्ट जारी की गई है। जो एनजीटी के निदेशों के अनुसार भी एक्सपायर होने के बाद भी सड़कों पर दौड़ रहे हैं। वही 126 ऐसे स्कूलों को भी नोटिस जारी किया गया है जिनके वाहन फिटनेस टेस्ट ना होने के बाद भी छोटे बच्चों से लेकर स्कूल और कॉलेज के बीच संचालित की जा रही हैं। ऐसे में बड़ा सवाल है कि एक्सपायर और अनफिट वाहनों पर बच्चे सवार हो रहे हैं जबकि उनके माता-पिता को यह जानकारी नहीं है कि उनकी जिंदगी किस तरीके से खतरों के बीच सफर कर रही है।

संपादकीय

हार कर भी जीत गई विनेश

विमिन रेसलर विनेश फोगाट ने जिस तरह से पैरिस ओलिंपिक के 12वें दिन फाइनल में जगह बनाकर इतिहास रचा और फिर डिस्क्वॉलिफाई कर दी गई, वह किसी सदमे से कम नहीं। पूरा देश जैसे उनकी उपलब्धि पर झूम उठा था, वैसे ही उन्हें अयोग्य घोषित किए जाने पर शोक और गुस्से से भर गया।

हालांकि इस तरह का घटनाक्रम किसी भी स्पोर्ट्सपर्सन के लिए दुखद होता, लेकिन विनेश फोगाट जिस तरह का जज्बा दिखाते हुए यहां तक पहुंची थीं, उसमें देश ही नहीं दुनिया भर के खेल प्रेमियों की भावनाओं का उनके साथ जुड़ जाना बिल्कुल स्वाभाविक था। खासकर इसलिए कि मात्र 100 ग्राम वजन ज्यादा होने की वजह से ऐसी ऐतिहासिक उपलब्धि से वंचित किया जाना किसी के लिए भी आसानी से हजम होना मुश्किल है।

इससे पहले विनेश ने साथी पहलवानों के साथ कुश्ती के क्षेत्र में चल रही कथित गड़बड़ियों के खिलाफ आवाज बुलंद कर पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा था। कुश्ती महासंघ के तत्कालीन अध्यक्ष के खिलाफ यौन शोषण जैसा गंभीर आरोप लगाने का मतलब था करियर दांव पर लगाना। हालांकि उस मामले में कानूनी प्रक्रियाएं चल रही हैं और अदालत के फैसले का इंतजार है। लेकिन इन सबके बावजूद ओलिंपिक में अयोग्य करार दिए जाने से पहले का विनेश का प्रदर्शन दिखाता है कि उनमें कितनी हिम्मत है।

यह भी तय है कि कुश्ती महासंघ के खिलाफ आवाज उठाकर उन्होंने इसके तत्कालीन कर्ता-धर्ताओं की नाराजगी मोल ली थी। इससे यह भी समझा जा सकता है कि खेल ढांचे का एक हिस्सा विनेश के साथ सहज नहीं महसूस कर रहा होगा और उन्हें पैरिस ओलिंपिक की अपनी पूरी यात्रा प्रतिकूल माहौल में तय करनी पड़ी होगी। यह संघर्ष का उनका जज्बा ही था जिसमें उन्होंने 50 किलोग्राम कैटिगरी की वर्ल्ड और ओलिंपिक चैंपियन युई सुसाकी तक को पराजित कर दिया, जो 82 मैचों से अजेय थीं।

यह बात कई कोनों से उठ रही है कि 100 ग्राम ज्यादा वजन निकलना खुद रेसलर की नहीं बल्कि सपोर्ट स्टाफ की कमी का नतीजा कहा जाएगा। कुश्ती महासंघ के मौजूदा अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा भी है कि सपोर्ट स्टाफ द्वारा अपना काम ठीक से न करने संबंधी शिकायतों की जांच की जाएगी।

तात्कालिक आरोप-प्रत्यारोपों के जरिए इन सवालों के सही जवाब नहीं मिल सकते। जो कुछ हुआ है, वह न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है बल्कि खेल ढांचों से लेकर राजनीतिक संस्कृति तक तमाम पहलुओं की गहराई से पड़ताल की मांग करता है। जहां तक विनेश की बात है तो तकनीकी आधार पर मेडल चाहे जिसके भी नाम कर दिया गया हो, दुनिया भर के खेल प्रेमियों के दिलों में उनकी उपलब्धि हमेशा के लिए दर्ज हो चुकी है।

आरबीआई ने रेपो रेट में नहीं किया बदलाव

6.5 प्रतिशत पर रखा बरकरार

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने गुरुवार को मौद्रिक नीति कमेटी (एमपीसी) के फैसलों का ऐलान किया है। एमपीसी ने रेपो रेट को 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा है। दास ने कहा कि महंगाई 5 प्रतिशत से अधिक होने के कारण एमपीसी ने 4:2 के बहुमत से रेपो रेट में बदलाव नहीं करने का फैसला किया है। हमारा लक्ष्य महंगाई को 4 प्रतिशत के नीचे लाना है। उन्होंने आगे कहा कि महंगाई अप्रैल और मई में 4.8 प्रतिशत थी, लेकिन खाद्य उत्पादों की कीमतें उच्च स्तर पर होने के कारण जून में यह 5.1 प्रतिशत पर आ गई। कीमतों में स्थिरता लाए बिना विकास

ज्यादा समय तक टिक नहीं सकता। इस कारण हमने कीमतों को कम करने का रुख जारी रखा है। गवर्नर ने आगे कहा कि देश में महंगाई तीसरी तिमाही में कम होने की उम्मीद है। घरेलू स्तर पर ग्रोथ बनी हुई है। चालू वित्त वर्ष के लिए जीडीपी विकास दर का अनुमान 7.2 प्रतिशत पर बरकरार रखा गया है। वहीं, वित्त वर्ष 2024-25 के लिए महंगाई दर का अनुमान 4.5 प्रतिशत तय किया गया है। आरबीआई ने पॉलिसी का रुख 'विड्रॉल ऑफ अकोमोडेशन' रखने का फैसला किया है। बता दें, मॉनेटरी पॉलिसी का रुख अकोमोडेटिव तब रखा जाता है, जब बैंकिंग सिस्टम में अधिक पैसा उपलब्ध कराना हो और अधिक नौकरियां पैदा करनी हो। गवर्नर ने आगे कहा कि महंगाई धीरे-धीरे सभी अर्थव्यवस्थाओं में कम हो रही है। हालांकि मध्यम अवधि में कुछ चुनौतियां बनी हुई हैं। मांग बढ़ने के कारण देश में मैन्युफैक्चरिंग गतिविधियां बढ़ रही हैं। आरबीआई द्वारा आखिरी बार रेपो रेट में बदलाव फरवरी 2023 में किया गया था। उस समय रेपो रेट को बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया गया था। इसकी वजह महंगाई को काबू में लाना था।

एफपीआई ने जुलाई में आईटी सेक्टर में निवेश किए 11,763 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की ओर से जुलाई में भारतीय आईटी शेयरों में 11,763 करोड़ रुपये (1.40 अरब डॉलर) की खरीदारी की गई है। यह 2022 में नया सेक्टरोल क्लासिफिकेशन लागू होने के बाद अब तक का सबसे बड़ा निवेश है। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी (एनएसडीएल) के डेटा से यह जानकारी मिली है। एनएसडीएल द्वारा क्लासिफिकेशन अप्रैल 2022 में लागू किया गया था। इसके बाद नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर सेक्टर की संख्या 35 से घटाकर 22 कर दी गई। इससे पहले आईटी तीन क्षेत्रों सॉफ्टवेयर, सर्विसेज और हार्डवेयर में बंटा हुआ था। एफपीआई द्वारा आईटी शेयरों में खरीदारी की वजह अमेरिकी फेड की ओर से सितंबर में ब्याज दर कम किए जाने की संभावना है, जिसके कारण आईटी पर कंपनियां खर्च बढ़ा सकती हैं और इसका फायदा आईटी कंपनियों को हो सकता है। बीते एक महीने में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने 5 प्रतिशत, इन्फोसिस ने 5.5 प्रतिशत और एचसीएल टेक ने 3.5 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। वहीं, इस दौरान बीएसई के बेंचमार्क सेंसेक्स और एनएसई के बेंचमार्क निफ्टी ने क्रमशः करीब एक प्रतिशत और आधा प्रतिशत का नकारात्मक रिटर्न दिया है। भारत में एफपीआई द्वारा जुलाई में इक्विटी और डेट कैटेगरी में संयुक्त रूप से 54,727 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है। इसमें से इक्विटी में 32,364 करोड़ रुपये और डेट में 22,363 करोड़ रुपये का निवेश किया गया था। एफपीआई द्वारा भारतीय बाजार में निवेश करने की एक वजह मजबूत अर्थव्यवस्था का भी होना है। वित्त वर्ष 2023-24 में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत रही है, जो कि चालू वित्त वर्ष में 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है। एफपीआई की गतिविधियां डॉलर इंडेक्स में उतार-चढ़ाव, वैश्विक परिस्थितियों और भारतीय बाजारों के वैल्यूएशन जैसे कारणों पर निर्भर करती हैं।

आरबीआई ने यूपीआई से टैक्स भुगतान की सीमा बढ़ाकर 5 लाख रुपये की

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से यूपीआई के जरिए टैक्स भुगतान करने की सीमा को एक लाख रुपये से बढ़ाकर पांच लाख रुपये कर दिया गया है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने गुरुवार को यह जानकारी दी। दास ने आगे कहा कि भुगतान प्रक्रिया आसान होने के चलते लोग बड़ी संख्या में टैक्स चुकाने के लिए यूपीआई को चुन रहे हैं। मौजूदा समय में यूपीआई से एक लाख रुपये तक का टैक्स भुगतान किया जा सकता है। आरबीआई की ओर से समय-समय पर कैपिटल मार्केट, आईपीओ सब्सक्रिप्शन, लोन कलेक्शन, इंश्योरेंस, मेडिकल और शैक्षणिक सेवाओं से जुड़ी लिमिट की समीक्षा की जाती है। उन्होंने आगे कहा कि अप्रत्यक्ष और प्रत्यक्ष करों का भुगतान

रेगुलर तौर पर किया जाता है और इनकी वैल्यू हाई होती है। इस कारण से हमने यूपीआई से टैक्स भुगतान की सीमा को एक लाख रुपये से बढ़ाकर पांच लाख रुपये करने का फैसला किया है। आरबीआई की ओर से यूपीआई में 'डेलीगेटिड पेमेंट्स' लाने का भी प्रावधान किया जा रहा है। इसकी मदद से कोई सेकेंडरी यूजर प्राइमरी यूजर के बैंक खाते का इस्तेमाल कर यूपीआई पेमेंट कर सकता है। इससे यूपीआई की पहुंच बढ़ेगी। दास ने कहा कि यूपीआई के देश भर में 42.4 करोड़ यूजर्स हैं। इसमें आने वाले समय में और बढ़ोतरी होने की संभावना है। यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) ने डिजिटल पेमेंट में बड़ी क्रांति लाई है। आरबीआई की करेंसी और फाइनेंस 2023-24 रिपोर्ट में बताया गया कि यूपीआई के कारण पिछले चार वर्षों में डिजिटल लेनदेन में 10 गुना की बढ़ोतरी देखने को मिली है। 2023-24 में 131 अरब यूपीआई लेनदेन हुए थे, जिनकी संख्या 2019-20 में 12.5 अरब पर थी। देश में होने वाले सभी डिजिटल पेमेंट में से 80 प्रतिशत यूपीआई के जरिए होते हैं।

एआई अल्ट्रा क्लियर कैमरा वाले रियलमी 13 प्रो सीरीज 5जी की प्री-बुकिंग एक लाख के पार

realme

नई दिल्ली। रियलमी ने 2024 में मिड-प्रीमियम सेगमेंट के लिए एक मजबूत प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया है। कंपनी ने यूजर्स को बेहतरीन एक्सपीरियंस देने के लिए नए और एडवांस स्मार्टफोन लॉन्च किए हैं। रियलमी 13 प्रो सीरीज 5जी ने 6 महीने में दूसरी फ्लैगशिप लॉन्च होने के बावजूद काफी तरक्की की है। रियलमी 13 प्रो सीरीज 5जी की पहली बिक्री 6 अगस्त को दोपहर 12 बजे रियलमी डॉट कॉम, फ्लिपकार्ट और 12 घंटे बाद मेनलाइन चैनलों पर लाइव हुई। शुरूआती संकेत बताते हैं कि उपभोक्ताओं ने मजबूत रुचि दिखाई है, जिनमें से कई लोग दुनिया के पहले मोनेट-इंस्पायर्ड स्मार्टफोन डिजाइन के एक्सपीरियंस के लिए उत्सुक दिखे। रियलमी 13 प्रो सीरीज 5जी ने 35 हजार से 40 हजार रुपये की कीमत वाले मिड-प्रीमियम सेगमेंट में मजबूत शुरूआत की है। सभी प्लेटफॉर्म पर इसकी एक लाख से ज्यादा प्री-बुकिंग हो चुकी है। मोनेट-इंस्पायर्ड डिजाइन और अल्ट्रा-क्लियर कैमरा जैसे यूनिक फीचर्स, जिसमें एआई भी शामिल है, रियलमी के उच्च-स्तरीय यूजर एक्सपीरियंस पर फोकस को दशार्ते हैं। यह लेटेस्ट रियलमी नंबर सीरीज नए फीचर्स और पावरफुल हार्डवेयर से आगे जाती है, यह अपने स्टाइलिश डिजाइन के साथ एक अलग पहचान बनाती है। रियलमी 13 प्रो सीरीज 5जी को दुनिया का पहला मोनेट-इंस्पायर्ड स्मार्टफोन डिजाइन होने का सम्मान प्राप्त है। बोस्टन के फाइन आर्ट्स म्यूजियम (एमएफए) के साथ यह सहयोग स्मार्टफोन डिजाइन में एक नई दिशा लेकर आया है, जिसमें दुनिया भर की कला और संस्कृति का कलेक्शन शामिल है। मोनेट की कलाकृतियों को पहले भी कपड़ों, एक्सेसरीज जैसे कई चीजों में शामिल किया जा चुका है। लेकिन यह पहली बार है जब किसी स्मार्टफोन में इन अमर (कालातीत) डिजाइनों को जगह दी गई है। क्लाउड मोनेट की रोशनी और छाया के बारीकियों को कैप्चर करने की प्रतिबद्धता इसके प्रोलीफिक करियर में स्पष्ट है। उनकी आइकॉनिक सीरीज 'ग्रेनस्टैक्स' (25 पेंटिंग) 'वाटर लिलीज' (अद्भुत 250 पेंटिंग्स) रोशनी और वातावरण की विभिन्न स्थितियों में एक ही विषय को कैप्चर करने के उनके प्रतिबद्धता को दशार्ती है।

राशिफल

मेष : किसी अपने नजदीकी से कहासुनी हो सकती है। हृदय को ठेस पहुंच सकती है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। काम में उत्साह की कमी रहेगी।

वृष : कम मेहनत से ही कार्यसिद्धि होगी। काफी समय से रुके कार्य पूर्ण होने से प्रसन्नता रहेगी। कार्य की प्रशंसा होगी। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे।

मिथुन : नए मित्र बनेंगे। नए कार्य प्रारंभ करने की योजना बनेगी। अच्छी खबर मिलने से प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी।

कर्क : भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें। नौकरी में कार्यभार रहेगा।

सिंह : व्ययवृद्धि होगी। बजट बिगड़ेगा। दूसरों से अपेक्षा पूरी नहीं होगी। कार्य की गति धीमी रहेगी। नौकरी में कार्यभार रहेगा। थकान व कमजोरी रह सकती है।

कन्या : रुका पैसा मिल सकता है। यात्रा में जल्दबाजी न करें। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। सभी कार्य पूर्ण व सफल रहेंगे।

तुला : आर्थिक नीति का परिवर्तन सुखद रहेगा। कई तरह के लाभ प्राप्त होंगे। किसी बड़े कार्य को करने की योजना बनेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

वृश्चिक : शारीरिक कष्ट की आशंका प्रबल है अतः लापरवाही न करें। अध्यात्म तथा तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। किसी विद्वान व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

धनु : वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में लापरवाही न करें। शारीरिक कष्ट संभव है। दूसरों के उकसाने में न आएं।

मकर : पारिवारिक मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। कुंआरों को वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। नौकरी में प्रमोशन इत्यादि मिल सकता है।

कुंभ : पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगास्थायी संपत्ति की खरीद-फरोख्त से बड़ा लाभ हो सकता है। प्रॉपर्टी ब्रोकर्स समय का लाभ ले सकते हैं।

मीन : पठन-पाठन व लेखन आदि कामों में मन लगेगा। सफलता प्राप्त होगी। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। मस्तिष्क में नए-नए विचार आएंगे।

चुटकुले

टीचर - कॉपी छुपा लो, पीछे वाला देख रहा है।
डब्बू - देखने दो सर, मैं अकेला फेल नहीं होना चाहता।

किसी शादी में पंडित जी ने दूल्हे का हाथ दुल्हन के हाथ में थमा दिया।
एक बच्चा ये देख रहा था,
उसने अपने पिता से पूछा -पिताजी दूल्हा और दुल्हन आपस में हाथ क्यों मिला रहे हैं?
पिता ने उत्तर दिया - बेटा, पहलवान अखाड़े में उतरने से पहले हाथ जरूर मिलाते हैं !

बॉयफ्रेंड अपनी गर्लफ्रेंड से- आओ तुम्हें चांद पर ले जाऊं...
गर्लफ्रेंड- अरे नहीं यार।
बॉयफ्रेंड- लेकिन क्यों?
लड़की- क्योंकि वहां वॉट्सऐप नहीं चलता है।
बॉयफ्रेंड रह गया हैरान!

रोचक तथ्यों का करंट

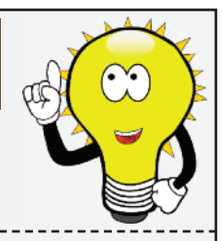

- यदि आपके मांसपेशियों में कसरत के बाद परेशानी होती है, तो तरबूज आपकी इस समस्या को हल कर सकता है। यह फल इलेक्ट्रोलाइट्स और एमिनो एसिड साइट्रूलाइन से भरा हुआ होता है, जो भारी कसरत के बाद दर्द की मांसपेशियों को शांत करने में मदद करता है। और एक ईरानी अध्ययन के अनुसार, तरबूज में साइट्रूलाइन मांसपेशियों की थकान को कम करने में मदद कर सकता है।
- तरबूज में कई पोषक तत्व आपके बालों और त्वचा के लिए अच्छे हैं। कुछ त्वचा को सुदृढ़ रखने में मदद करते हैं जबकि अन्य धूप की रोशनी के खिलाफ सुरक्षा करते हैं।
- स्वस्थ पाचन के लिए फाइबर और पानी महत्वपूर्ण हैं। और तरबूज में ये दोनों शामिल हैं।
- क्यूक्रबिटैसीन-ई और लाइकोपीन समेत तरबूज में कुछ यौगिकों का अध्ययन कैंसर को रोकने की उनकी क्षमता के लिए किया गया है।
- शोध के अनुसार, हर दिन तरबूज का एक टुकड़ा खराब कोलेस्ट्रॉल के संचय को रोक सकता है, जिससे दिल की बीमारी को रोका जा सकता है।

दैनिक करंट क्राइम

समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।

संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम

K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, MoÜ 09899655497
Email: currentcrimenews@gmailÜcom
Website: wwwÜcurrentcrimeÜcom

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए।जी।एस। पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

करंट क्राइम

परिवार की ओर से आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

09 08 2024

आज के जन्मदिन

सेलेब्रिटी जन्मदिन

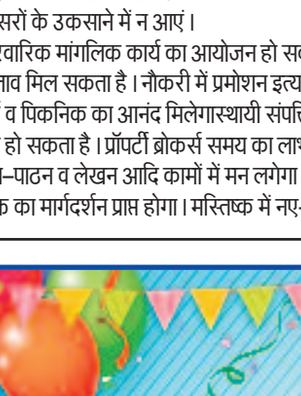

महेश बाबू
अभिनेता

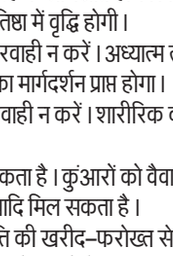
जुबेर सैफी

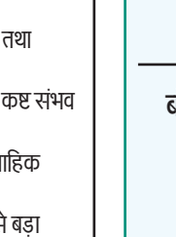
ललिता चौधरी

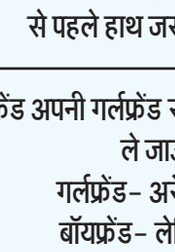
केपी सिंह

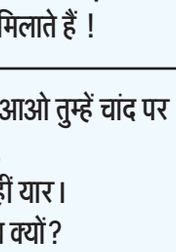
अतुल सिंघल

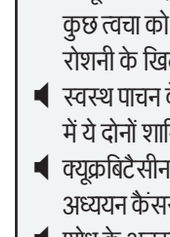
अंकित त्यागी

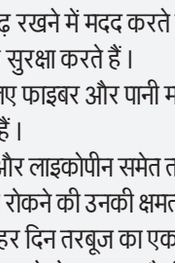
गौरव

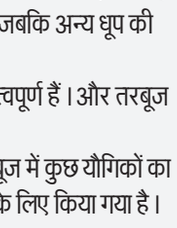
बादल चिन्डालिया

कुलदीप गोस्वामी

प्रशांत सोनी

अमित गिरी

राहुल चौधरी

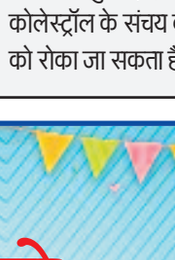
सोनू

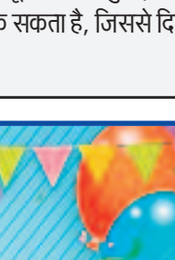
जयवीर पाल

सोनू कुमार

युगल सिंह

शिवम चौहान

इमरान चौधरी

योगेश आजाद

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने 52 साल बाद लगातार ओलंपिक में दो पदक जीते

भारतीय हॉकी टीम ने स्पेन को 2-1 से हराकर जीता कांस्य पदक

पेरिस। भारतीय पुरुष हॉकी टीम से पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने की काफी उम्मीद थी, स्वर्ण तो नहीं आया, लेकिन भारतीय टीम कांस्य पदक को बरकरार रखने में कामयाब रही है। भारत ने टोक्यो 2020 में 41 साल का पदक का सूखा समाप्त किया था और मनप्रीत सिंह की अगुआई में कांस्य पदक जीता था। अब तीन साल बाद भारतीय टीम ने पेरिस ओलंपिक में भी कांस्य पदक जीता है। भारत ने कांस्य पदक के मुकाबले में स्पेन को 2-1 से हरा दिया। इससे पहले सेमीफाइनल में भारत को जर्मनी के हाथों 3-2 से हार का सामना करना पड़ा था। भारत ने 1980 में मॉस्को ओलंपिक के बाद से इन खेलों में अब तक स्वर्ण नहीं जीता है। ओलंपिक में जिस खेल में भारत को सबसे ज्यादा सफलता मिली है वो हॉकी ही है। भारत अब तक हॉकी में कुल 13 पदक जीत चुका है जिसमें आठ स्वर्ण, एक रजत और चार कांस्य पदक शामिल हैं।भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने 52 साल बाद लगातार दो ओलंपिक में पदक जीते हैं। इससे पहले 1968 और 1972 में ऐसा हुआ था।

टोक्यो जैसा ही रहा पेरिस में सफर

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने टोक्यो ओलंपिक 2020 में जर्मनी को 5-4 से हराकर कांस्य पदक अपने नाम किया था। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने इस तरह ओलंपिक खेलों में 41 साल का पदक का सूखा समाप्त किया था। यह 1980 में मॉस्को ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने के बाद उसका पहला पोडियम फिनिश था। यह भारत का हॉकी में तीसरा कांस्य पदक भी था। इस बार पुरुष टीम की कोशिश पदक का रंग बदलने पर थी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। भारतीय टीम ने ग्रुप स्टेज से लेकर अब तक जैसा प्रदर्शन किया, वह सफर शानदार रहा है।

भारत को ग्रुप स्टेज में पूल बी में रखा गया था। भारतीय टीम अपने ग्रुप में पांच में से तीन मैच जीतकर दूसरे स्थान पर रहा था। इस दौरान एक मैच ड्रॉ रहा था और एक में टीम इंडिया को हार मिली थी। ग्रुप स्टेज में टीम इंडिया को एकमात्र हार बेल्जियम के खिलाफ मिली थी। साथ ही भारत ने ऑस्ट्रेलिया को भी हराया था। फिर क्वार्टर फाइनल में भारत ने ब्रिटेन को हराया था। हालांकि, सेमीफाइनल में भारतीय टीम को जर्मनी के हाथों हार मिली।

भारत ने पहली बार 1928 ओलंपिक में हॉकी में जीता था पदक

भारत के लिए हॉकी में स्वर्णिम युग की शुरूआत 1928 में एम्स्टर्डम ओलंपिक से हुई थी। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने दिग्गज खिलाड़ी ध्यान चंद के नेतृत्व में 29 गोल किए और एक भी गोल खाए बिना अपना पहला स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद टीम ने 1932 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में भी स्वर्ण पदक जीता था और अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया था। भारत ने फिर 1936 बर्लिन ओलंपिक में लगातार तीसरा स्वर्ण पदक जीतकर स्वर्णिम हैट्रिक लगाई थी। द्वितीय विश्व युद्ध के चलते 1940 और 1944 में ओलंपिक खेलों का आयोजन नहीं किया गया था और फिर 1948 में लंदन ओलंपिक से भारत ने एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में अपने पहले ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों में हिस्सा लिया। भारत ने यहां भी अपनी छाप छोड़ी और हॉकी में लगातार चौथा स्वर्ण जीता। इसके बाद 1952 और 1956 में भी टीम स्वर्ण पदक जीतने में सफल रही थी। भारत ने इस तरह लगातार छह ओलंपिक में हॉकी में स्वर्ण पदक जीते थे।

रोम में स्वर्ण जीतने का सिलसिला टूटा

भारतीय पुरुष हॉकी टीम 1960 रोम ओलंपिक में पाकिस्तान से फाइनल में 0-1 से हार गई थी और इस तरह उसका स्वर्ण पदक जीतने का सिलसिला टूट गया था। भारत ने उस वक्त रजत पदक हासिल किया था। हालांकि, चार साल बाद फिर 1964 में टोक्यो ओलंपिक में भारत ने स्वर्ण पदक जीता। इस बार टीम ने फाइनल में पाकिस्तान को मात दी और पुरानी हार का बदला चुकता किया। 1968 में मेक्सिको सिटी में हुए ओलंपिक में पुरुष हॉकी टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और उसे सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, टीम ने वेस्ट जर्मनी को हराकर कांस्य पदक जीता। 1972 में म्यूनिख ओलंपिक में भी टीम को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा था। उस समय सेमीफाइनल में पाकिस्तान ने भारत को हराया था, लेकिन भारतीय टीम ने नीदरलैंड को हराकर ओलंपिक में दूसरा कांस्य पदक जीता था। 1980 मॉस्को ओलंपिक में पुरुष हॉकी टीम ने फिर अपना दबदबा बनाया और स्पेन को हराकर आठवीं बार ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता।

लंबे समय तक ओलंपिक से खाली हाथ लौटी थी भारतीय टीम

भारतीय पुरुष हॉकी टीम का दबदबा 1980 में मॉस्को ओलंपिक में स्वर्ण जीतने के बाद से लंबे समय तक गायब रहा और टीम टोक्यो 2020 से पहले तक कोई पदक नहीं जीत सकी थी। पुरुष हॉकी टीम हर बार दावेदार के रूप में उतरी, लेकिन 2016 रियो ओलंपिक तक उसका पदक नहीं लाने का सिलसिला जारी रहा था। हालांकि, भारत ने टोक्यो में 41 साल का पदक का सूखा समाप्त किया, लेकिन ओलंपिक में 44 साल से पुरुष हॉकी में भारत स्वर्ण नहीं जीत सका है।

देश की उम्मीदों पर पहले भी भारी पड़ चुका 100 ग्राम

1974 के कॉमनवेल्थ में इस पहलवान को लगा था झटका

अंबाला (हरियाणा)। पेरिस ओलंपिक में निर्धारित भारवर्ग से 100 ग्राम वजन अधिक होने पर विनेश फोगाट कुश्ती के फाइनल मुकाबले से बाहर हो गईं। इसके बाद से देश में इस पर बहस छिड़ गई है। इससे पहले वर्ष 1974 के कॉमनवेल्थ गेम्स में कुश्ती के फाइनल मुकाबले में पहुंचे अंबाला के राधेश्याम पहलवान को भी इसी तरह का झटका लगा था, जब 100 ग्राम वजन अधिक होने पर उन्हें मुकाबले से बाहर कर दिया गया था। उनका मुकाबला आस्ट्रेलिया के खिलाड़ी से था। उन्होंने कहा कि विनेश का 100 ग्राम वजन अधिक होने से कुश्ती के फाइनल मुकाबले से बाहर होने का दर्द वह अच्छी तरह समझते हैं। वह कहते हैं कि कुश्ती हमें बार-

बार गिरकर उठना ही सिखाती है। राधेश्याम बताते हैं कि वर्ष 1974 में न्यूजीलैंड के क्राइस चर्च शहर में कामनवेल्थ प्रतियोगिताएं हो रहीं थी। वह भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए कुश्ती के लिए गए थे। यहां उन्हें 48 किलोग्राम भारवर्ग में कुश्ती लड़नी थी। क्वालीफाइंग मुकाबले से लेकर आखिर तक सभी मुकाबलों में उन्होंने सामने वाले देश के खिलाड़ियों को मात दी मगर फाइनल मुकाबले में वजन बढ़ने से उन्हें निराशा हाथ लगी।उस समय वजन बढ़ने पर नियंत्रण पाने के लिए राधेश्याम ने कुछ भी नहीं खाया। खूब दौड़ लगाई और अपने बाल तक कटवा लिए, इसके बाद भी उनका वजन 100 ग्राम अधिक पाया गया। ऐसे में आखिर में वह फाइनल मुकाबला नहीं खेल सके। उन्होंने बताया कि बड़ी प्रतियोगिताओं में वजन को नियंत्रित रखना एक चुनौती बन जाता है।

ओलंपिक में हुआ था चयन पर नहीं गए

राधेश्याम बताते हैं कि उस समय वह कक्षा पांच तक ही पढ़े थे। ऐसे में कुश्ती खेल में तकनीकि के आधार पर उनका खेल काफी मजबूत था, मगर उन्हें पता नहीं था कि ओलंपिक का कितना महत्व है। वर्ष 1972 में म्यूनिख में ओलंपिक होना था, जिसके लिए महाराष्ट्र पुणे में कुश्ती का कैंप लगाया गया था। यहां पर राधेश्याम का प्रदर्शन सबसे अच्छा रहा था, मगर कुश्ती में चयन होने के बाद वो अपने घर अंबाला आ गए थे। उनका कहना है कि तब उन्हें इतनी जानकारी नहीं थी कि ओलंपिक में प्रतिभाग करने का क्या मतलब होता है। इसके बाद रेलवे की कुश्ती की टीम में राधेश्याम का चयन हो गया। रेलवे की टीम की तरफ से कई राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पधाओं में प्रतिभाग करते रहे।

सेवानिवृत्त होने के बाद 71 वर्षीय राधेश्याम चला रहे अखाड़ा

राधेश्याम ने बताया कि वह अब 71 वर्ष के हो गए हैं। वह अपने खेल के दाव पेच को नई पीढ़ी को सिखा रहे हैं। इसके लिए वह अंबाला छावनी में हनुमान अखाड़ा चला रहे हैं।

आईओए ने अनुशासनहीनता के लिए अंतिम पंघाल पर प्रतिबंध लगाने की खबरों का खंडन किया

पेरिस। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने बुधवार को पेरिस ओलंपिक में अनुशासनात्मक उल्लंघन के बाद पहलवान अंतिम पंघाल पर प्रतिबंध लगाने की मीडिया रिपोर्टों का खंडन किया। इससे पहले, आईओए ने पहलवान अंतिम और उनके सहयोगी स्टाफ को स्वदेश वापस भेजने का फैसला किया था। फ्रांसीसी अधिकारियों की एक शिकायत के अनुसार, अंतिम की बहन पहलवान के मान्यता कार्ड का उपयोग करके एथलीट गांव में प्रवेश करने की कोशिश कर रही थी। आईओए ने एक्स पर लिखा, आईओए उन खबरों का खंडन करता है कि पहलवान अंतिम पर प्रतिबंध लगाया गया है। यह मीडियाकर्मियों से अनुरोध करता है कि कृपया ऐसी रिपोर्ट पोस्ट करने से पहले आईओए नेतृत्व से जांच लें। एथलीट विलेज के सुरक्षा कर्मचारियों

ने उसे हिरासत में लिया और अंतिम को बयान के लिए बुलाया गया। अंतिम ने महिलाओं के 53 किग्रा भार वर्ग में देश का प्रतिनिधित्व किया और बुधवार को अपना प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबला तुर्की की जेनेप येघ से 0-10 से हार गईं। अंतिम ने शुरू में दावा किया कि सब कुछ तय हो गया है, और उसे जल्द ही अपनी मान्यता वापस मिल जाएगी। भावुक अंतिम ने आईएएनएस को बताया, मुझे जल्द ही मेरी मान्यता मिल जाएगी और मेरी बहन कुछ ही मिनटों में रिहा हो जाएगी। हालाँकि, ऐसा लगता है कि आईओए ने सुरक्षा और प्रोटोकॉल के इस उल्लंघन को गंभीरता से लिया है और मामले में सख्त कार्रवाई की है। सूत्रों के मुताबिक, अंतिम ने अपनी बहन से एथलीट विलेज से अपना सामान इकट्ठा करने और उन्हें उस होटल में लाने के लिए कहा था जहां उसके कोच और बहन ठहरे हुए थे।

अमन सहरावत सेमीफाइनल में

पेरिस। 2024 खेलों में भारत के एकमात्र पुरुष पहलवान अमन सहरावत ने गुरुवार को यहां पेरिस ओलंपिक में 2022 विश्व चैंपियन अल्बानिया के जेलिमखान अबकारोव को तकनीकी श्रेष्ठता (12-0) के आधार पर हराकर पुरुषों की 57 किग्रा फ्रीस्टाइल कुश्ती के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर अमन की यह लगातार दूसरी जीत थी। इससे पहले, उन्होंने उत्तरी मैसेडोनिया के यूरोपीय चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता व्लादिमीर एगोरोव को हराकर अंतिम-आठ चरण में जगह बनाई थी। बाद में शाम को सेमीफाइनल में अमन का मुकाबला नंबर एक वरीय जापान के री हिगुची से होगा। अमन की शुरूआत करीबी रही क्योंकि वह शुरूआती मिनट में ओपनिंग की तलाश में थे। इस बीच, जेलिमखान

को किसी भी गतिविधि में शामिल न होने के लिए निष्क्रियता की चेतावनी मिली। इसके बाद अमन ने पहला अंक हासिल किया क्योंकि जेलिमखान 30 सेकंड की निष्क्रियता चेतावनी के दौरान स्कोर करने में विफल रहा। इसके बाद उन्होंने टेकडाउन के माध्यम से दो अतिरिक्त अंक हासिल करने के लिए जेलिमखान को पिन किया। दूसरी अवधि में, अमन ने डबल एंकल-होल्ड को अंजाम दिया, और एक बार दोनों पैर लॉक हो जाने के बाद उसने अबकारोव को एक चाल में आठ अंकों के लिए पलट दिया और अपनी बढ़त को 11-0 तक बढ़ा दिया और तकनीकी श्रेष्ठता के माध्यम से मुकाबले को तेजी से समाप्त कर दिया। पिछले साल एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतने वाले 20 वर्षीय पहलवान ने विश्व ओलंपिक खेल क्वालीफायर में 57 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में भारतीय पुरुष कुश्ती दल को 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए अपना पहला कोटा दिलाया है। विश्व क्वालीफायर में, अमन ने कोटा मैच में चोंगसोंग हान पर तकनीकी श्रेष्ठता (12-2) से जीत हासिल की। उन्होंने पूरे क्वालीफायर में शानदार प्रदर्शन किया और बुल्गारिया के ओलंपियन जॉर्जी वांगेलोव को 10-4 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया, जहां उन्होंने यूक्रेन के एंड्री यात्सेंको को 12-2 से हराया। इस बीच, महिलाओं की स्पर्धा में, अंशू मलिक, जो अपने दूसरे ओलंपिक में प्रतिस्पर्धा कर रही हैं, 57 किग्रा प्री-क्वार्टर फाइनल मैच में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता, यूएसए की हेलेन लुईस मारौलिस से अपना पहला मुकाबला 2-7 से हार गईं। हालाँकि, विश्व चैंपियनशिप (2021) में रजत पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान अंशू के पास अभी भी रेपेचेज के माध्यम से पदक का मौका है, अगर अमेरिकी पहलवान फाइनल में पहुंचती है।

श्रीजेश ने अपने अंतिम मैच से पहले कहा, 'यह यात्रा असाधारण से कम नहीं है'

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक में पुरुष हॉकी स्पर्धा में स्पेन के खिलाफ भारत का कांस्य पदक मैच शुरू होने से एक घंटे पहले, गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने की उनकी यात्रा असाधारण से कम नहीं है। पेरिस ओलंपिक में भारत के लिए कांस्य पदक मैच श्रीजेश का भारत के लिए अंतिम अंतरराष्ट्रीय हॉकी मैच है, क्योंकि उनका लक्ष्य अपने 18 साल के करियर को उच्च स्तर पर समाप्त करना है। जैसा कि मैं अंतिम बार पोस्ट के बीच खड़ा होऊंगा, मेरा दिल कृतज्ञता और गर्व से भर जाता है। एक सपने देखने वाले एक युवा लड़के से भारत के सम्मान की रक्षा करने वाले व्यक्ति तक की यह यात्रा असाधारण से कम नहीं है।

श्रीजेश ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट में लिखा, आज, मैं भारत के लिए अपना आखिरी मैच खेल रहा हूं। हर बचाव, हर गोता, भीड़ की हर दहाड़ हमेशा मेरी आत्मा में गूंजती रहेगी। धन्यवाद, भारत, मुझ पर विश्वास करने के लिए, मेरे साथ खड़े होने के लिए। यह अंत नहीं है, लेकिन संजोयी यादों की शुरूआत है। हमेशा के लिए सपनों का संरक्षक, जय हिन्द। श्रीजेश ने ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल शूट-आउट में दो जबरदस्त बचाव किए थे, और भारत को लगातार दूसरी बार ओलंपिक में हॉकी प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में प्रवेश करने में मदद की थी। वह टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली हॉकी टीम के सदस्य थे, जिसने 1980 के बाद से मेगा चतुष्कोणीय आयोजन में भारत को इस खेल में पहला पदक दिलाया। 2006 में डेब्यू करने वाले श्रीजेश 2022 एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम के साथ-साथ चार मौकों पर एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली टीम और 2015 में एफआईएच हॉकी वर्ल्ड लीग फाइनल में कांस्य पदक जीतने वाली टीम के भी सदस्य रहे हैं। उन्हें 2021 में मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। 2014 एशियाई खेलों में, श्रीजेश फाइनल में पेनल्टी शूट-आउट में पाकिस्तान को दूर रखने के लिए एक दीवार की तरह खड़े थे। उन्हें 2015 में अर्जुन पुरस्कार और 2017 में पद्म श्री से भी सम्मानित किया गया है। श्रीजेश उस भारतीय टीम का भी हिस्सा थे जिसने 2022 बर्मिंघम खेलों में रजत पदक और पिछले साल के एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता था।

अयोग्यता के खिलाफ विनेश फोगाट की अपील पर सीएएस जल्द कर सकता है सुनवाई

पेरिस। कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स (सीएएस) ओलंपिक में फाइनल मुकाबले से पहले अयोग्य ठहराए जाने के खिलाफ

पहलवान विनेश फोगाट की अपील को स्वीकार कर सकता है। सूत्रों ने बताया कि इस पर फैसला गुरुवार शाम तक आ सकता है। विनेश फोगाट पेरिस ओलंपिक में महिला 50 किलोग्राम भारवर्ग फ्रीस्टाइल इवेंट में फाइनल तक पहुंची थीं। लेकिन फाइनल से कुछ घंटे पहले जब उनका वजन मापा गया, तब यह 50 किलोग्राम से 100 ग्राम अधिक निकला। इसके बाद विनेश को फाइनल मैच खेलने के लिए अयोग्य घोषित करार दिया गया। विनेश को अयोग्यता के कारण सिल्वर मेडल भी नहीं मिलेगा। विनेश ने अपनी सिल्वर मेडल की दावेदारी के लिए सीएएस में अपील दायर की थी। विनेश ने 50 किलो वर्ग में संयुक्त रजत पदक की मांग की है। विनेश ने मंगलवार को अपने तीन बाउट जीते थे। एक ही दिन में तीन मुकाबलों के बाद शरीर में महत्वपूर्ण तरल पदार्थों के कमी की भरपाई के लिए विनेश को एनर्जी फूड दिए गए, उसके बाद विनेश का वजन अपेक्षा से तेजी से बढ़ता जा रहा था। उन्होंने रात भर अपने कोच, सपोर्ट स्टाफ और भारतीय दल के

मुख्य चिकित्सा अधिकारी के साथ मिलकर वजन कम करने की कड़ी मेहनत की, लेकिन 100 ग्राम अधिक वजन होने के कारण वह असफल रहीं। रात भर वजन कम करने के प्रयास में विनेश के शरीर में पानी की इतनी कमी हो गई थी, कि उन्हें खेल गांव के पॉलीक्लिनिक में आईवी ड्रिप के लिए भर्ती किया जाना पड़ा।

फिक्सिंग में फंसे श्रीलंकाई स्पिनर जयविक्रमा के खिलाफ आईसीसी का एक्शन

नई दिल्ली। श्रीलंका ने टीम इंडिया के खिलाफ एक ऐतिहासिक वनडे सीरीज जीतकर क्रिकेट जगत में सुर्खिया बटोरी है लेकिन इस बीच श्रीलंकाई टीम को एक बड़ा झटका लगा है। श्रीलंका के एक खिलाड़ी पर फिक्सिंग के आरोप लगे हैं और आईसीसी ने जवाब मांगा है। श्रीलंका के स्पिनर प्रवीण जयविक्रमा पर आईसीसी भ्रष्टाचार रोधी संहिता के उल्लंघन के तीन मामलों में आरोप लगाए गए हैं। आईसीसी ने गुरुवार को इसकी पुष्टि की। जयविक्रमा कथित तौर पर भ्रष्टाचार रोधी इकाई को 2021 लंका प्रीमियर लीग और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में मैच फिक्सिंग करने के लिए संपर्क किए जाने की सूचना समय पर नहीं दे पाए। 25 वर्षीय गेंदबाज ने भ्रष्ट आचरण करने के लिए संपर्क किए जाने से संबंधित संदेशों को डिलीट कर दिया था। आईसीसी के अनुसार, जयविक्रमा के पास आरोपों का जवाब देने के लिए 6 अगस्त 2024 से 14 दिन का समय है। आईसीसी ने बताया कि 15 मैचों के अंतरराष्ट्रीय अनुभव वाले 25 वर्षीय स्पिनर पर संहिता के तहत निम्नलिखित अपराध लगाए गए हैं अनुच्छेद 2.4.4: भविष्य के अंतरराष्ट्रीय मैचों में फिक्सिंग करने के लिए उसे प्राप्त संपर्क के विवरण को अनावश्यक देरी के बिना भ्रष्टाचार रोधी इकाई को रिपोर्ट करने में विफल रहना। अनुच्छेद 2.4.4: 2021 लंका प्रीमियर लीग में फिक्सिंग करने के लिए उसे एक भ्रष्ट व्यक्ति की ओर से किसी अन्य

खिलाड़ी से संपर्क करने के लिए कहा गया था। जिसके बारे में अनावश्यक देरी के बिना भ्रष्टाचार रोधी इकाई को रिपोर्ट करने में विफल रहना। अनुच्छेद 2.4.7: भ्रष्ट आचरण में शामिल होने के लिए संपर्क और प्रस्ताव वाले संदेशों को हटाकर जांच में बाधा डालना। इसमें आगे बताया गया है, संहिता के अनुच्छेद 1.7.4.1 और 1.8.1 का पालन करते हुए, श्रीलंका क्रिकेट और आईसीसी ने सहमति व्यक्त की है कि आईसीसी अंतरराष्ट्रीय मैच के आरोपों के साथ-साथ लंका प्रीमियर लीग के आरोप के संबंध में भी कार्रवाई करेगी। जयविक्रमा ने श्रीलंका के लिए अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच 2022 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में खेला था।

पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज में अविनाश साबले 11वें स्थान पर रहे

पेरिस, 8 अगस्त (आईएएनएस)। भारत के शीर्ष दूरी के धावक अविनाश साबले गति बरकरार नहीं रख सके और पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज में बुधवार को यहां 11वें स्थान पर रहे, जिसे पेरिस ओलंपिक में मोरक्को के सूफियान एल बक्कली ने सीजन के सर्वश्रेष्ठ 8 मिनट 06.05 सेकंड के साथ जीता था। संयुक्त राज्य अमेरिका के केनेथ रूक्स ने आमतौर पर अफ्रीकी धावकों के प्रभुत्व वाली दौड़ में 8:06.41 के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ दूसरे स्थान पर रहकर सभी को आश्चर्यचकित कर दिया, जबकि केन्या के अब्राहम किबिनोई ने 8:06.47 के साथ कांस्य पदक जीता, क्योंकि अमेरिकी धावक ने उन्हें पछाड़ दिया। साबले ने 8:14.18 का समय निकाला, जो 2022 में बर्मिंघम में राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतने के दौरान लिए गए 8:11.20 की तुलना में काफी धीमा था। 39 वर्षीय सेना के जवान ने हीट्स में 8:15.43 का समय निकाला था जिसने उनकी फाइनल में जगह पक्की कर दी, जिससे वह ओलंपिक में 3000 मीटर स्टीपलचेज के फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय एथलीट बन गए। लेकिन फाइनल में साबले अपनी सर्वश्रेष्ठ टाइमिंग हासिल नहीं कर सके और उन्हें 16 प्रतिभागियों के बीच 11वें स्थान से संतोष करना पड़ा, जिनमें से 15 ने दौड़ पूरी की। साबले ने तेज गति से शुरूआत की और पहला 1000 मीटर 2:41.0 में पूरा किया और चौथे स्थान पर रहे। अगले 1000 मीटर में वह थोड़ा धीमा थे क्योंकि उसने 2000 मीटर को 5:30.9 में पूरा किया और 11वें स्थान पर खिसक गए क्योंकि अमेरिकी के साथ-साथ अफ्रीकी धावक भी पदक दौड़ में शामिल हो गए। साबले ने 8:14.18 में दौड़ पूरी की और अंततः 11वें स्थान पर रहे। उनके पास इस साल की शुरूआत में पेरिस में बनाया गया 8:09.94 का राष्ट्रीय रिकॉर्ड है, साबले ने हांगझोउ एशियाई खेलों में भी स्वर्ण पदक जीता और 2023 डायमंड लीग के सिलेसियन चरण में 8:11.63 के समय के साथ छठे स्थान पर रहने के बाद पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया।

सराफा व्यापारी से लूट का खुलासा, 6 गिरफ्तार

दो दिन पहले चाकू मारकर दिया था लूट को अंजाम, 12 हजार की नगदी बरामद

हापुड़। थाना कपूरपुर क्षेत्र में सराफा व्यापारी के साथ दो दिन पूर्व हुई लूट की घटना का जिले की एसओजी टीम और थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने पदार्फाश कर दिया है। पुलिस ने सर्राफ के गांव के ही एक युवक समेत 6 बदमाशों को सालेपुर नहर पुलिया के पास से गिरफ्तार किया। एसपी ने बताया थाना कपूरपुर क्षेत्र के बझैड़ा कला निवासी सर्राफ शहजाद सालेपुर कोटला में सर्राफ की दुकान करता है। दो दिन पूर्व वह दुकान बंद कर घर लौट रहा था, जैसे ही वह नरैना मार्ग पर थाने से कुछ ही दूरी पर पहुंचा तो बदमाशों ने चाकू और तमंचे की बट से घायल कर लूट की वारदात को अंजाम दिया और फरार हो गए थे। घायल सर्राफ को पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराकर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी थी। घायल के भाई ने जावेद ने इस संबंध में कपूरपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। एसपी ज्ञानेंजय सिंह ने बताया सराफा व्यापारी से लूट की वारदात को जिले की एसओजी टीम और कपूरपुर पुलिस ने पदार्फाश कर 6 लोगों को गिरफ्तार किया है जहां एक आरोपी अभी भी फरार है, जिसकी पुलिस तलाश कर रही है। बदमाशों से बरामद बाइक, मोबाइल फोन और उनके आपराधिक इतिहास के बारे में जानकारी की जा रही है। उन्होंने बताया पुलिस ने लुटेरों से नगदी और आभूषण के बारे में पूछताछ की तो उन्होंने बताया कि सर्राफ के बैग में नगदी और आभूषण नहीं मिले थे। सर्राफ से जब पुलिस ने इस बारे में गहनता से पूछताछ की तो उसने पुलिस को बताया कि नगदी और आभूषण की झूठी सूचना दी थी, क्योंकि उसका सिर्फ एक मोबाइल फोन ही गया था।

पुलिस ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों में शैफ, मोबइनुद्दीन, जमालुद्दीन, नदीम, जानू और ग्राम बझैड़ा कला निवासी आलम हैं।बदमाशों के कब्जे से लूटे गए फोन को बेचकर लिए गए 12 हजार रुपये, सर्राफ का बैग, दुकान की चांबियों का छल्ला, लंच बाक्स, अवैध हथियार, पांच मोबाइल फोन, दो बाइक बरामद की है।

नाग पंचमी आज : भगवान कृष्ण ने कालिया नाग से गोकुल वासियों को कराया था मुक्त

गाजियाबाद, करंट क्राइम। सावन भगवान महादेव को समर्पित पवित्र महीना है। महादेव को नागेश्वर महादेव के रूप से भी जाना जाता है। उन्होंने नाग देवता को अपने गले में श्रृंगार के रूप में विशेष स्थान दिया। नागदेव महाकाल के आभूषण है जो सत्य और शिव को व्यक्त करते हैं। जिसकी वजह से नागों को भी देवता के रूप में पूजा जाता है। आदिकाल से हमारी संस्कृति में नाग को आध्यात्मिक आस्था व दैव निधियों के प्रहरी के रूप में जाना जाता है। नाग पंचमी के पीछे बहुत सी पौराणिक कथाएं जुड़ी हुई हैं। हम नाग पंचमी क्यों मनाते हैं यह सावन में शुक्ल पक्ष की पंचमी को ही क्यों मनाई जाती है? कहते हैं भगवान कृष्ण ने कालिया नाग से गोकुल के निवासियों को मुक्त कराया अथवा कालिया नाग को हराया और उससे वादा लिया कि वह कभी भी किसी को परेशान नहीं करेगा जिसके बाद भगवान कृष्ण ने उसका जीवन बक्श दिया। दूसरी कथा यह है कि नागों ने अपने प्राणों की रक्षा के लिए ऋषि अस्तिका की शरण ली। जिसके कारण तक्षक नाग के बचने से नागों का वंश बच गया। आग के ताप को कम करने के लिए ऋषि ने उन पर कच्चा दूध डाल दिया और उसके बाद से ही इस दिन नाग पंचमी मनाई जाने लगी। हिंदू धर्म में सावन महीने का अपना धार्मिक महत्व है भगवान शिव की पूजा-अर्चना की जाती है। यह कथा भाई-बहन के

ॐ भुजंगेशाय विदाहे सर्पराजाय धीमहि, तन्नो नाग प्रचोदयात्।।

स्नेह- पूर्ण रिश्ते से जुड़ी हुई है। भाई भगवान शिव का परम भक्त था। वह दर्शन करने रोज मंदिर जाता था। वहां उसे नाग देवता के दर्शन हुए। वह रोज नाग देवता को दूध पिलाता। जब भी वह लड़का मंदिर जाता है तो नाग देवता अपनी मणि उतार कर उसके पैरों से लिपट जाता। एक दिन सावन के महीने में बहन भी भाई के साथ मंदिर चली गई। नाग देवता ने अपना प्यार जताने के लिए लड़के के पैर से लिपट गया। लड़की डर गई कि नाग मेरे भाई को काट ना ले और उसने अपने भाई को बचाने के लिए नाग देवता को डंडे से पीट-पीट कर मार डाला। भाई ने उसे अपने साथ घटित रोज की घटना बताई तो लड़की परेशान हो गई। गांव वालों ने जब यह सुना तो उन्होंने सोचा कहीं गांव पर कोई परेशानी ना आ जाए तो दंड तो मिलना चाहिए। लेकिन यह लड़की से गलती से हुआ है। इसलिए लड़की की जगह उन लोगों ने गुड़िया बनाई और उसे बहुत बुरी तरह पीटा और नाग देवता से माफी भी मांगी। तब से यह दिन नाग पंचमी के रूप में मनाया जाता है। इस दिन लोग जीवित सांपों या घर मंदिर में रखी सांप की मूर्तियों को दूध पिलाते हैं जिससे उन्हें सौभाग्य वैसे वृद्धि प्राप्त होती है कुछ लोग तो कठिन उपवास करके भी नाग पंचमी का त्योहार धूमधाम से मनाते हैं।

अवैध हथियार फैक्ट्री का पदार्फाश

तस्करों के पास से 16 तमंचे, कारतूस और शस्त्र बनाने के उपकरण बरामद

हापुड़। गढ़मुक्तेश्वर कोतवाली पुलिस ने अवैत्र हथियार बनाने की फैक्ट्री का पदार्फाश कर गिरोह के सदस्य को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी ऑन डिमांड आसपास के जिलों में आपराधिक किस्म के लोगों को हथियारों की सप्लाई करते थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे/निशानदेही पर बने-अधबने तमंचे बरामद किए है। एसपी ज्ञानंजय सिंह ने बताया गढ़मुक्तेश्वर कोतवाली पुलिस को सूचना मिली कि स्याना रोड पर एक अहातानुमा गेट के पास कुछ लोग अवैध हथियार बना रहे हैं, पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो आरोपी पुलिस को देखकर भागने लगे। घेराबंदी कर दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपी बिलाल और गुड्डू है। एसपी ने बताया आरोपियों से पूछताछ करने पर पुलिस को पता चला कि वह ऑन डिमांड आपराधिक किस्म के लोगों को हथियारों की सप्लाई करते थे। इस गिरोह का नेटवर्क हापुड़, अमरोहा, मेरठ, बुलन्दशहर और आसपास के क्षेत्र में फैला है और 5-7 हजार रुपये में तमंचे बेचकर आर्थिक लाभ कमाते थे।

उन्होंने बताया आरोपियों के कब्जे से अवैध हथियार बनाने के उपकरण (06 गिलन्डर के पत्ते, 01 गिलेन्डर मशीन, 01 वैल्डिग मशीन, 01 लोहे का ठिया, 15 स्प्रिंग छोटे बडे, 7 ट्रेगर, 01 अधबनी मैगजीन, 01 अदद रेती बडी, 01 पेचकश वाली रेती, 01 शिकंजा, एक लोहे की पट्टी, 01 पेचकस, 01 प्लास, 01 हथोडी, 15 मीटर केवल बिजली का आदि)। 16 बने-अधबने अवैध तमंचे, 06 जिन्दा कारतूस बरामद किए हैं।

डॉ. केएन मोदी ग्लोबल स्कूल में हरियाली तीज महोत्सव का आयोजन

मोदीनगर करंट क्राइम। डॉ. केएन मोदी ग्लोबल स्कूल में हरियाली तीज महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। तीजोत्सव का शुभारंभ प्रधानाचार्य वीके राणा व उपप्रधानाचार्या पूजा शर्मा ने सयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर विद्यालय में कई प्रकार की रंगारंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें छात्रों ने उत्साह और आनंद के साथ प्रतिभाग किया। आठवीं कक्षा के छात्रों ने कुकिंग प्रतियोगिता में भाग लिया, जिसमें उन्होंने हरियाली तीज की पारंपरिक मिठाइयाँ और व्यंजन बना कर अपनी पाक कला का परिचय दिया। मेहंदी प्रतियोगिता में कक्षा नौ और ग्यारवी की छात्राओं ने अपनी कला का प्रदर्शन करते हुए अपने हाथों पर सुंदर मेहंदी डिजाइन बनाए। इस आयोजन ने न केवल छात्रों में रचनात्मकता और सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा दिया, बल्कि विद्यालय की प्रगति और प्रतिष्ठा को भी उच्चतम स्तर पर पहुंचने में अपना योगदान दिया है।

एसआरएम इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी में हैकथॉन-2024 का आयोजन

मोदीनगर, करंट क्राइम। एसआरएम इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी ने एक गतिशील और अभिनव हैकथॉन 2024 का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस हैकथॉन का आयोजन सीशार्प कॉर्नर यूएसए के सहयोग से किया गया। जिसने क्षेत्र के तकनीकी उत्साही और नवप्रवर्तकों को आकर्षित किया। इस कार्यक्रम ने कैंपस की रचनात्मकता, सहयोग और अत्याधुनिक तकनीकी प्रगति को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया। 6 से 7 अगस्त तक आयोजित इस हैकाथॉन में 543 छात्रों और ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने टीमों में काम करके बेब-3 तकनिकी के विभिन्न क्षेत्रों जैसे स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, वित्त और पर्यावरणीय स्थिरता में वास्तविक दुनिया की समस्याओं के समाधान विकसित किए। कैंपस के निदेशक डॉ0 संजय विश्वनाथन ने प्रतिभागियों पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि हमारे छात्रों द्वारा प्रदर्शित रचनात्मकता और नवाचार का स्तर वास्तव में सराहनीय है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने 5 आवासीय प्लाट की योजना निकाली

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में घर खरीदारों के लिए बेहतरीन मौका होगा। प्राधिकरण ने पांच आवासीय भूखंडों की योजना निकाली। इन पांच भूखंडों के आवंटित होने पर रिजर्व प्राइस के हिसाब से लगभग 17 करोड़ रुपये की आमदनी प्राधिकरण को होगी। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ आशुतोष कुमार द्विवेदी ने बताया कि इन भूखंडों के लिए ऑनलाइन आवेदन शुक्रवार से शुरू हो जाएंगे। इसके ब्रोशर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की वेबसाइट www.greaternoidaauthority.in पर उपलब्ध हैं। इनको डाउनलोड किया जा सकता है। इन भूखंडों के लिए एसबीआई पोर्टल https://etender.sbi के जरिए ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की वेबसाइट से भी इसका लिंक दिया गया है। इस योजना में पंजीकरण की अंतिम तिथि दो सितंबर हैं। पंजीकरण शुल्क, ईएमडी (अर्नेस्ट मनी डिपोजिट) और प्रोसेसिंग फीस 05 सितंबर और डॉक्यूमेंट सबमिट करने की अंतिम तिथि 09 सितंबर है। आवंटन होते ही इन भूखंडों पर पजेशन भी मिल जाएगा। ये भूखंड चाई श्री व चाई फोर में हैं। ये भूखंड 524, 505, 639, 1026 और 1023 वर्ग मीटर के हैं। इन पांच भूखंडों से 3718 वर्ग मीटर जमीन आवंटित होगी। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार का कहना है कि ग्रेटर नोएडा में हरियाली एनसीआर में सबसे अधिक है। इंफ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टीविटी के लिहाज से अन्य शहरों के मुकाबले ग्रेटर नोएडा बेहतर है। रिहायश के लिए ग्रेटर नोएडा बहुत बेहतर विकल्प है।

अवैध एलपीजी गैस रिफलिंग में मामले में एक गिरफ्तार

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद के थाना वेव सिटी क्षेत्र अंतर्गत डासना में वेव सिटी पुलिस और जिला आपूर्ति विभाग की संयुक्त टीम ने अवैध रूप से छढक्र गैस रिफिलिंग करने वाले अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। यह कार्यवाही 7 अगस्त 2024 को प्राप्त सूचना के आधार पर की गई, जिसमें शक्तिनगर डासना के निवासी विशाल गोयल पुत्र विनोद गोयल को गैस रिफिलिंग करते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया। पुलिस द्वारा मौके से 41 गैस सिलेंडर (कॉमर्शियल और घरेलू, बड़े और छोटे, खाली और भरे हुए) तथा 03 गैस रिफिलिंग उपकरण, तराजू और बाट बरामद किए गए हैं। अभियुक्त ने पूछताछ में कबूल किया कि वह बड़े सिलेंडरों से छोटे सिलेंडरों में अवैध रूप से गैस रिफिलिंग कर उन्हें अधिक कीमत पर बेचकर मुनाफा कमाता था। अभियुक्त के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की विधिक कार्यवाही जारी है।

रानी लक्ष्मीबाई फाउंडेशन तीज महोत्सव में हिट रही सास-बहू की जोड़ी

मोदीनगर, करंट क्राइम। प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था रानी लक्ष्मीबाई फाउंडेशन ने तीज पर्व पर तीज महोत्सव का आयोजन किया। जिसमें महिलाओ ने विभिन्न सांस्कृकित, रंगारंग व धार्मिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर शमां बांध दी। कार्यक्रम में प्रियंका शर्मा तीज क्वीन व उनकी सास द्वितीय स्थान पर रही, साथ ही मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित भी किया गया। इस अवसर डांस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मंजू कांडपाल, यूजिकल चेयर रेस में स्वीटी शर्मा, शालिनी लखेरा, मोनिका चौहान, उषा, पूनम, प्रीति, कोमल शर्मा, उर्मिला शर्मा, मोनिका चौहान, नैना शर्मा, सावित्री शर्मा, सुनीता शर्मा, दुर्गा बजाज, रिया आनन्द, विनीता, रचना पांडे योग्यता वर्मा, सुहानी, खश्बू, प्राची, राशि वर्मा आदि महिलाओं ने भाग लिया।

किस टू-स्टार पर तानी गई पिस्टल

पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में कई तरीके के मामले सामने आते रहते हैं। ताजा मामला सिटी जोन के एक खास थाने का बताया जा रहा है। सुनने में आया है कि यहां चौकी से जुड़े एक अंडरट्रेनी टू-स्टार पर एक मामले में मौके पर पिस्टल तानी जाने की बात सामने आई है। बताया जा रहा है कि टू-स्टार पर पिस्टल तनी तो वह थोड़ा घबरा गया और फिर उसने अन्य साथियों को बुला लिया। इस मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को बाद में गिरफ्तार कर जेल भी भेज दिया है। वहीं सुनने में आया है कि सिटी के एक खास थाने की वीवीआईपी चौकी क्षेत्र में पुलिस को किसी मामले के हंगामे और कहासुनी की सूचना मिली।

मौके पर एक टू-स्टार पहुंचे। अंडरट्रेनी टू-स्टार जोश और गुस्सा में था। इसी दौरान वहां जैसे ही टू-स्टार ने पुलिसगिरी दिखानी शुरू की तो वहां मौजूद एक व्यक्ति ने पिस्टल सीधे तान दी। पिस्टल देख पुलिसकर्मी ने अपने अन्य साथियों को बुलाया, इसके बाद चौकी से पहुंचे पुलिसकर्मियों ने मामले को संभाला और दोनों पक्षों को लेकर पहुंच गए। इसके बाद वहां से इनको थाने भेज दिया गया, जहां से नियमानुसार कार्रवाई भी की गई है। बताया जा रहा है कि जिस तरीके का यह पूरा मामला है वह बेहद गंभीर नहीं था लेकिन जिस तरीके की खाकी के खिलाफ हरकत की गई उसे इसकी गंभीरता बढ़ गई।

हालांकि रात में ही कई पुलिसकर्मियों ने आरोपी को टाइट भी करने का काम किया ऐसा बताया जा रहा है। वहीं सुनने में आया है कि यह मामला पुलिस के शीर्ष अधिकारियों तक नहीं पहुंचा वरना इस मामले में आरोपी पर और भी कई गंभीर कार्रवाई सुनिश्चित की जाती। कुल मिलाकर आजकल पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम में कई तरीके के मामले वीडियो और घटनाएं सामने आ रही हैं, जिसमें पुलिस की वर्किंग पर सवाल उठ रहे हैं। वैसे जिस इलाके का यह पूरा मामला है, वहां के इलाके वाले साहब और थाने वाले टू-स्टार ठीक व्यवहार और कुशल पुलिसिंग के लिए जाने जाते हैं, इसीलिए मामला आराम से रफा-दफा हो गया वरना यह हंगामा भी भरपा सकता था। बताया जा रहा है कि जब चौकी से मुख्य टू-स्टार पहुंचे तो उन्होंने स्थिति को कंट्रोल कर लिया और खाकी पर हुए सांकेतिक हमले को भी पुलिस की वर्किंग से अवगत करवा दिया गया। कुल मिलाकर पूरा मामला बुधवार की रात का बताया जा रहा है, जिसके बाद आरोपी को रात से लेकर दोपहर तक हवालात और फिर नियमानुसार कार्रवाई का भी शिकार बनाया गया है। उधर जिस तरीके से सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल का इन दिनों ट्रेंड चल रहा है, गनी मत रही है कि इस मामले का कोई वीडियो सामने नहीं आया वरना छोटा सा किस्सा बड़ी कहानी में तब्दील हो सकता था। कुल मिलाकर मामला शांत हो गया और टू-स्टार व चौकी-थाना स्टाफ ने भी राहत की सांस ली।

वीर शिरोमणि महाराजा जवाहर सिंह के बलिदान दिवस पर कुश्ती का आयोजन

मोदीनगर, करंट क्राइम। वीर शिरोमणि महाराजा जवाहर सिंह के बलिदान दिवस पर महाराजा सूरजमल अखाड़ा गांव रोरी मे कुश्ती दंगल कराया गया। सर्व प्रथम महाराजा जवाहर सिंह के चित्र पर श्रद्धा सुमन व दीप प्रज्वलित कर श्रदांजलि दी गई। कुश्ती दंगल मे मुख्य अतिथि घणघस खाप चौधरी सुखपाल सिंह को ग्रामीणों ने फूल मालाओं व श्योराण खाप का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

चौधरी सुखपाल सिंह ने कहा पहलवान खाप पंचायतों की मिलट्री होती है।

जब-जब समाज व देश पर संकट आया है तब तब खाप चौधरियों व खापों के पहलवानो ने अपना बलिदान देकर देश व समाज की रक्षा की है। कुश्ती को सफल बनाने मे पवन चौधरी बखरवा, ताऊ राजेन्द्र, दीपक पहलवान अमराला, अभीषेक पहलवान खंजरपुर, जयप्रकाश दुहाई, वेदप्रकाश थांबेदार, प्रेमपाल मास्टर, ब्रजवीर सिंह सहरावत, सतेन्द्र नेता, मुकेश चौधरी, दुष्यंत चौधरी,मनोज कुमार, शरणवीर पहलवान, चंद्रपाल फौजी, विनित पहलवान आदि का योगदान रहा।

बिजली ट्रांसफार्मर से कॉपर चोरी, बिजली आपूर्ति बाधित

मुरादनगर करंट क्राइम। नगर क्षेत्र की शिवम विहार कॉलोनी से चोर 250 केवीए का बिजली का ट्रांसफार्मर से आयल व कॉपर चोरी करके ले गए।

अपर अभियंता ने इस संबंध में थाने में तहरीर दी है। नगर की शिवम विहार कॉलोनी में 250 केवीए का बिजली का ट्रांसफार्मर लगा हुआ है। देर रात बदमाश बिजली के ट्रांसफार्मर को नीचे गिरा दिया और कॉपर व तेल चोरी करके ले गए। ट्रांसफार्मर का सामान चोरी होने के चलते कॉलोनी की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई है।

सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई चोरी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद के थाना मसूरी क्षेत्र अंतर्गत अजीज नगर कॉलोनी, ममुरी में गुरुवार सुबह 4 बजे के आसपास एक बड़ी चोरी की घटना घटी। पीड़ित ने बताया कि उनके घर में चोरी हुई जिसमें दो चोर सीसीटीवी कैमरे में चोरी करते हुए दिखाई दिए। चोरों ने घर के ताले तोड़कर दो बैटरी और एक इन्वर्टर चोरी कर लिया। पीड़ित का कहना है कि चोरों ने सभी ताले तोड़ दिए और चोरी की घटना को अंजाम दिया। उन्होंने कहा कि एक चोर का नाम माजिद और दूसरे का नाम जब्बार है, जो ग्राम नहाल के निवासी हैं। स्थानीय निवासियों और पीड़ित ने थाना मसुरी से जल्द से जल्द कार्यवाही करने की अपील की है, ताकि चोरों को पकड़ा जा सके और चोरी हुए सामान को वापस प्राप्त किया जा सके।

ठेकेदार सहित लोहे के पाइप चोरी करने वाले दो गिरफ्तार

मुरादनगर, करंट क्राइम। नगर क्षेत्र में नगर पालिका परिषद की लोहे की पाइन लाइन चोरी करने के मामले में पुलिस ने ठेकेदार सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया है। बता दें कि तीन दिन पहले नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी खंड विकास कार्यालय मार्ग पर प्रस्तावित डॉ. भीमराव अम्बेडकर पुस्तकालय के पास निरीक्षण करने के लिए गए थे।

इसी दौरान उन्हें पता चला पाइप लाइन के लोहे के पाइप ठेकेदार चोरी करके कबाड़ी को बेच रहा है। इस संबंध में अधिशासी अधिकारी ने थाने में तहरीर दी है। एसीपी ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी ठेकेदार फैजल निवासी कच्ची सराय व निसार निवासी मलिक नगर को गिरफ्तार कर चालान कर दिया गया है।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चिंटू जी की गुस्ताखियां माफ हों.. नोट : चिंटू जी कॉलम अखबार में ही प्रकाशित होता है। इस किरदार का सोशल मीडिया पर अखबार से अतिरिक्त डाली गई पोस्ट से कोई संबंध नहीं है।

बांग्लादेश : मुहम्मद यूनुस को सौंपी गई अस्थायी सरकार की कमान

ढाका। बांग्लादेश में पिछले कुछ हफ्ते से जारी आरक्षण आंदोलन के चलते शेख हसीना को प्रधानमंत्री का पद छोड़ना पड़ा। हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद सोमवार को शेख हसीना ने अपने इस्तीफे की घोषणा की। यह एलान सेना प्रमुख वकर-उज-जमान ने टेलीविजन पर किया। इस्तीफे के साथ ही शेख हसीना ने देश छोड़ दिया। पूर्व प्रधानमंत्री फिलहाल भारत में रुकी हुई हैं। सेना प्रमुख ने शेख हसीना के इस्तीफे की जानकारी देते हुए घोषणा की थी कि अंतरिम सरकार बनाई जाएगी। आंदोलन चलाने वाले छात्र नेताओं की मांग के अनुसार मंगलवार को नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस को अस्थायी सरकार की कमान सौंपी गई है।

राजनीतिक अस्थिरता के बीच, अंतरिम सरकार के कार्यवाहक के तौर पर नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस आज शपथ ग्रहण करेंगे। बांग्लादेश सेना के प्रमुख वकर-उज-जमान ने मुहम्मद यूनुस के शपथ ग्रहण की जानकारी दी है। यह कोई पूर्णकालिक सरकार नहीं है, बल्कि अस्थायी तौर पर काम करेगी। हालांकि, इस अंतरिम सरकार को लेकर अभी कई संवैधानिक सवाल भी खड़े होने लगे हैं। पहले ऐसी सरकार चलाने के लिए संविधान में संशोधन करना पड़ गया था।

बांग्लादेश में अंतरिम सरकार की जरूरत क्यों पड़ी?

आरक्षण के मुद्दे पर जारी छात्र आंदोलन के बीच 5 अगस्त को प्रधानमंत्री शेख हसीना ने राष्ट्रपति को इस्तीफा देकर देश छोड़ दिया। इस बीच, सेनाध्यक्ष जनरल वकार-उज-जमान ने देश को चलाने के लिए अंतरिम सरकार के गठन की घोषणा की।

बांग्लादेश के संविधान के

संविधान में अंतरिम सरकार की व्यवस्था नहीं

अनुच्छेद 57 में कहा गया है कि यदि प्रधानमंत्री ने इस्तीफा दे दिया है तो कैबिनेट के दूसरे मंत्रियों, राज्य मंत्रियों और उप-मंत्रियों का भी इस्तीफा माना जाता है। इसका मतलब है कि कैबिनेट भंग हो चुकी।

राजनीतिक दलों की मांग के चलते राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने मंगलवार को संसद को भंग कर दिया। इससे देश में अंतरिम सरकार के गठन का रास्ता खुल गया। उधर मंगलवार को छात्र नेताओं ने सेना प्रमुख जमान से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान छात्र नेताओं ने नई सरकार के प्रारूप पर चर्चा की। तमाम औपचारिकताएं पूरी करने के बाद यह घोषणा की गई कि अंतरिम सरकार के मुखिया यूनुस होंगे। आंदोलन के समन्वयकों ने बताया कि राजनीतिक

दलों से बातचीत के बाद अन्य सदस्यों के नाम भी तय किए जाएंगे।

इस बारे में पूछे जाने पर राष्ट्रपति के प्रेस सचिव जोयनल आबेदीन ने कहा कि जब अन्य सदस्यों का मुद्दा सुलझ जाएगा तो अंतरिम सरकार का गठन कर दिया जाएगा।

अस्थायी सरकार के बारे में संविधान क्या कहता है?

मौजूदा संविधान में अंतरिम सरकार के लिए कोई प्रावधान नहीं है। हालांकि, पहले एक ऐसा ही प्रावधान था जिसे कार्यवाहक सरकार के नाम से जाना जाता था। बांग्लादेश के संविधान में 13वां संशोधन 1996 में पारित किया गया था, जिसमें आम चुनाव कराने और सत्ता हस्तांतरण के लिए कार्यवाहक सरकार के प्रावधान शामिल थे। इस संशोधन के जरिए संविधान के भाग में 'गैर-पार्टी कार्यवाहक सरकार' से जुड़ा एक नया अध्याय, अध्याय जोड़ा गया। इसमें पांच नए अनुच्छेद शामिल किए गए, जिनमें कार्यवाहक सरकार के मुख्य सलाहकार और अन्य सलाहकारों की नियुक्ति और कार्यकाल का जिक्र किया गया। इस व्यवस्था का इस्तेमाल तीन चुनाव कराने के लिए किया गया था।

सरकार की संवैधानिकता को लेकर क्या सवाल हैं?

बांग्लादेश के प्रमुख अखबार ढाका ट्रिब्यून में छपे एक लेख में कहा गया है कि फिलहाल, देश पर शासन करने के लिए आवश्यक संवैधानिक ढांचा मौजूद नहीं है। वहीं मौजूदा संविधान में अंतरिम सरकार का प्रावधान नहीं है। इसमें केवल निर्वाचित सरकारों का ही जिक्र है। निर्वाचित सरकार के विकल्प के तौर पर कार्यवाहक सरकार का प्रावधान था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इसे असंवैधानिक घोषित कर दिया। बाद में संविधान में 15वें संशोधन के जरिए कार्यवाहक सरकार के प्रावधान को खत्म कर दिया गया। शेख हसीना की अवामी लीग के 2009-14 के कार्यकाल के दौरान इस व्यवस्था को खत्म किया गया था। इस परिस्थिति में विशेषज्ञों ने यह प्रश्न उठाया है कि अंतरिम सरकार का गठन कैसे होगा।

बांग्लादेश में लोगों की डर से उड़ी रातों की नींद, दे रहे पहरा

मस्जिदों से लोगों को किया जा रहा अलर्ट

ढाका। बांग्लादेश में हिंसा का दौर अभी भी जारी है। शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने और देश छोड़ने के बाद भी प्रदर्शनकारी सड़कों पर डटे हुए हैं। हालात इतने बदतर हो गए है कि देश में अल्पसंख्यकों के घरों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया जा रहा है। यहां के लोगों की रातों की नींद हराम हो गई है। अपराधियों द्वारा डकैती और लूटपाट के भय के कारण कई निवासी रातभर सड़कों पर निगरानी करते नजर आए। बता दें, देश में नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार गुरुवार को शपथ लेने वाली है। भीषण आगजनी और हिंसा के बीच हालात बेहद खराब हो गए हैं। पांच अगस्त को प्रधानमंत्री शेख हसीना ने पद से इस्तीफा दे दिया और भारत चली गईं। अब अंतरिम सरकार बांग्लादेश का कार्यभार संभाल रही है। हसीना के देश छोड़कर जाने के बाद भी यहां के हालात बेकाबू हैं। देश में लगातार सुरक्षा चिंताएं बढ़ गई हैं क्योंकि सुरक्षाकर्मियों पर घातक हमलों की खबरों के बीच अपनी सुरक्षा को लेकर आशंका जताते हुए पुलिस ने काम पर रोक लगा दी है।

विरोध प्रदर्शनों से पैदा हुई अराजकता और डर लगातार बना हुआ है। अपराधियों के गिरोह पिछले दो दिनों से कानून प्रवर्तन अधिकारियों की अनुपस्थिति में घरों को लूट रहे हैं। लूटपाट की आशंका के बीच बुधवार को कई निवासियों की नींद हराम हो गई। ढाका के एक छोर से दूसरे छोर तक, विशेष रूप से उत्तर से मोहम्मदपुर तक, लोग अपनी सुरक्षा को लेकर परेशान थे।

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर और मोहम्मदपुर सहित कई क्षेत्रों के निवासियों ने पहरा देने के लिए पड़ोस के निगरानी समूहों का गठन किया है। मोहम्मदपुर के बोसिला निवासी नजवी इस्लाम ने कहा कि लुटेरों ने मंगलवार

रात इलाके में धावा बोल दिया था। मस्जिदों से घोषणाएं की जा रही थीं कि सभी अलर्ट रहें।

लाठी-डंडों के साथ जमा हुए लोग : बुधवार की रात को स्थानीय लोग लाठी-डंडे और बल्लों के साथ सड़कों पर पहरा देने के लिए समूहों में एकत्र हुए। स्थानीय मदरसे के सैकड़ों छात्र भी इलाके की रखवाली करने आए थे। पूरी रात पहरा देने के बाद वे सुबह घर लौट आए। छात्रों ने खुद को छोटे-छोटे समूहों में बांट लिया और सरकारी इमारतों तथा सार्वजनिक संपत्तियों की रखवाली की।

क्या बोले स्थानीय लोग? : मोहम्मदपुर के चनमिया हाउसिंग के निवासी जकीरुल इस्लाम ने कहा कि बुधवार रात आवासीय क्षेत्र के गेट पर गार्ड तैनात किए गए थे, लेकिन निवासी अभी भी डर के कारण सो नहीं पा रहे। वहीं, मीरपुर-14 के निवासी अबीर हुसैन, जहां कई सरकारी अधिकारी रहते हैं, का कहना है कि जब यह खबर फैली कि लुटेरे उनके आवास परिसर में घुस आए हैं तो हर कोई घबरा गया। वहीं, नबोदय हाउसिंग इलाके के एक निवासी ने बताया, 'कल रात स्थानीय हथियार लेकर आए लोगों का एक समूह आया और पड़ोसी के घर पर हमला कर दिया। उन्होंने जबरन दरवाजा खोला और नकदी व आभूषण लूट लिए।'

कई फेसबुक उपयोगकर्ताओं ने मीरपुर छावनी से सटे ईसीबी छतर इलाके में एक इमारत पर हमला करने वाले लुटेरों के वीडियो पोस्ट किए। वीडियो में सेना के संरक्षक सायरन की आवाज सुनी जा सकती थी। लोगों ने रात भर हमलों और लूटपाट के बारे में फेसबुक पर पोस्ट किया। कई लोगों ने सवाल उठाया कि इतने सारे लुटेरे कहां से आ गए।

एटीएम में नकदी खत्म : मीडिया रिपोर्ट में बैंकरों के हवाले से बताया कि अधिकांश एटीएम में नकदी खत्म हो गई थी और यहां तक कि कई बैंक शाखाओं में भी नकदी की कमी हो गई थी क्योंकि अपर्याप्त सुरक्षा के कारण पैसे की आपूर्ति बाधित हो गई थी। राजधानी के धानमंडी इलाके के निवासी नासिर हुसैन ने बताया, 'कुल मिलाकर, मैंने लगभग 10 एटीएम मशीनों से पैसा निकालने की कोशिश की, लेकिन एक भी पैसा नहीं निकाल पाया। या तो मशीन में पैसे खत्म हो गए थे या फिर बूथों पर दूसरे बैंकों द्वारा जारी किए गए एटीएम कार्ड के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया था।' पबली बैंक के प्रबंध निदेशक मोहम्मद अली ने कहा कि हालांकि बैंकिंग क्षेत्र में नकदी का कोई संकट नहीं है, लेकिन वे बूथों और शाखाओं तक पैसे पहुंचाने में असमर्थ हैं, क्योंकि पैसे पहुंचाने वाली सुरक्षा कंपनियों ने सेवाएं रोक दी हैं।

न्यूजीलैंड : राष्ट्रपति मुर्मू ने की गवर्नर जनरल और उप-प्रधानमंत्री से मुलाकात

वेलिंगटन। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू फिलहाल न्यूजीलैंड दौरे पर हैं। वह बुधवार को न्यूजीलैंड पहुंचीं, जहां विदेश मामलों के मंत्री टॉड मैक्ले और भारतीय उच्चायुक्त नीता भूषण ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। गुरुवार को राष्ट्रपति मुर्मू न्यूजीलैंड के गवर्नर जनरल डेम सिंडी किरो और उप प्रधानमंत्री विंस्टन पीटर्स से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान मुर्मू ने उनसे मैत्रीपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। राष्ट्रपति कार्यालय ने एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी।

द्विपक्षीय संबंधों पर हुई बात एजुकेशन कॉन्फ्रेंस में शामिल हुईं मुर्मू

राष्ट्रपति कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने न्यूजीलैंड के गवर्नर जनरल डेम सिंडी किरो से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच मैत्रीपुर्ण संबंधों की सराहना की। इसके साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में भी सहयोग पर चर्चा की गई। इसके बाद राष्ट्रपति मुर्मू ने उप प्रधानमंत्री विंस्टन पीटर्स से भी मुलाकात की। बता दें कि पीटर्स न्यूजीलैंड के विदेश मंत्री भी हैं। इस मुलाकात पर राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा, दोनों नेताओं ने कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया।

राष्ट्रपति मुर्मू ने वेलिंगटन में न्यूजीलैंड इंटरनेशनल एजुकेशन कॉन्फ्रेंस को भी संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने शिक्षा की परिवर्तनकारी शक्तियों के बारे में बताया। उन्होंने कहा, शिक्षा हमेशा से मेरे दिल के करीब रही है। मैंने शिक्षा की परिवर्तनकारी शक्ति को अनुभव किया है। शिक्षा एक सामाजिक परिवर्तन और राष्ट्र के निर्माण का माध्यम भी है। 21 वीं सदी के भारत में शिक्षा प्रणाली एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। राष्ट्रपति ने आगे कहा, भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में ऐसे नेताओं को पैदा किया, जो दुनिया भर में योगदान दे रहे हैं।

शिक्षा के महत्व पर बात करते हुए द्रौपदी मुर्मू ने कहा, भारत में माता-पिता अपने बच्चों को बेस्ट शिक्षा देने की उम्मीद रखते हैं। कई बारतीय छात्र न्यूजीलैंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों में शिक्षा ले रहे हैं। 8,000 भारतीय छात्र पूरे न्यूजीलैंड में विभिन्न पाठ्यक्रमों में पढ़ाई कर रहे हैं, जो यहां का दूसरा सबसे बड़ा समूह बन गया है।

उन्होंने आगे कहा कि न्यूजीलैंड इंटरनेशनल एजुकेशन कॉन्फ्रेंस शिक्षा में चल रहे सहयोग को मजबूत करने और सहयोग के नए क्षेत्रों की खोज करने का एक शानदार अवसर प्रदान करता है।

'मैं उन्हें गले भी नहीं लगा सकती', शेख हसीना की बेटी ने सोशल मीडिया पर साझा किया दुख

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की बेटी ने पीड़ा जताई है कि देश में भारी उथल-पुथल के बीच उनकी मां को पद से हटाए जाने के बाद वह उनसे नहीं मिल पाई हैं और इस मुश्किल वक्त में उन्हें गले नहीं लगा पाई हैं। शेख हसीना की बेटी साइमा वाजेद ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर इसे लेकर दुख जताया।

साइमा वाजेद ने साझा किया भावुक पोस्ट

साइमा वाजेद ने लिखा कि 'अपने देश, जिसे मैं प्यार करती हूं, वहां लोगों की जान जाने से दिल टूट गया है। इस बात से बेहद दुखी हूं कि इस मुश्किल समय में मैं अपनी मां से मिल नहीं सकती और उन्हें गले नहीं लगा सकती। मैं विश्व स्वास्थ्य संगठन में अपनी क्षेत्रीय निदेशक की जिम्मेदारी के प्रति प्रतिबद्ध हूं।' बता दें कि बांग्लादेश में आरक्षण में विरोध में शुरू हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों के चलते शेख हसीना को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा और देश छोड़कर भागना पड़ा। शेख हसीना फिलहाल भारत में हैं।

भारत में हैं शेख हसीना

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बताया कि 'सरकार शेख हसीना को 'ठीक होने' और अपने अगले कदम के बारे में बताने के लिए समय दे रही है।' उन्होंने कहा, 'बहुत जल्दबाजी में उन्होंने भारत आने के लिए अनुमति मांगी थी।' पहले मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से कहा जा रहा था कि शेख हसीना शरण लेने के लिए लंदन जाना चाहती थीं। हालांकि उनके बेटे सजीब वाजेद ने उन अटकलों को खारिज कर दिया था। उन्होंने कहा कि शेख हसीना ने कहीं भी शरण के लिए अनुरोध नहीं किया है।

सजीब वाजेद ने देश में भारी राजनीतिक उथल-पुथल के बीच अपनी मां की पार्टी के नेताओं और अल्पसंख्यकों पर हमलों पर भी चिंता व्यक्त की। सजीब वाजेद जॉय ने आशंका जताई कि बांग्लादेश के सीरिया जैसा बनने का खतरा है। उन्होंने कहा कि 'मैं पाकिस्तान कहना चाहता था, लेकिन ऐसा लगता है कि बांग्लादेश सीरिया जैसा बन रहा है।' उन्होंने चेताते हुए कहा कि, 'उन्होंने (बांग्लादेश के लोगों ने) अपना भविष्य बना लिया है। उन्हें इसके साथ जीना होगा। यह निराशाजनक होने जा रहा है, आर्थिक विकास रुकने जा रहा है, उग्रवाद जारी रहेगा।'

बांग्लादेश के बाद ब्रिटेन में भी हालात बेकाबू

जारी है हिंसा का दौर, नस्लवाद के विरोध में सड़कों पर लोग

लंदन। बांग्लादेश के अलावा ब्रिटेन में भी पिछले कई दिनों से हिंसा हो रही है। यहां के साउथपोर्ट में तीन बच्चियों की मौत के बाद अप्रवासियों को बड़े स्तर पर निशाना बनाया जा रहा है। इस बीच, धुर दक्षिणपंथी प्रदर्शनों का मुकाबला करने और अप्रवासियों तथा जातीय अल्पसंख्यकों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए बुधवार को नस्लवाद के विरोध में हजारों लोग इंग्लैंड की सड़कों पर उतर आए।

सैकड़ों प्रदर्शन हुए विफल : समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, बुधवार रात 11 बजे तक, ब्रिटिश सरकार द्वारा भारी पुलिस बल तैनात किए जाने के बाद 100 से अधिक संख्या में नियोजित दक्षिणपंथी प्रदर्शन नहीं हो पाए। वहीं, बड़ी संख्या में नस्लवाद विरोधी प्रदर्शनकारी लंदन, ब्रिस्टल, ब्राइटन, बर्मिंघम, लिवरपूल, हेस्टिंग्स और वाल्थमस्टो जैसे शहरों और कस्बों की सड़कों पर उमड़ पड़े।

नस्लवाद विरोधी प्रदर्शनकारियों ने कहा- प्यार करों... : नस्लवाद विरोधी प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियां ले रखी थीं, जिसमें लिखा था कि फासीवाद और नस्लवाद को नष्ट करें, शरणार्थियों का स्वागत है, अति दक्षिणपंथ को रोकें और प्यार करो, नफरत नहीं। ब्राइटन में केवल कुछ ही संख्या में अति-दक्षिणपंथी प्रदर्शनकारी पहुंचे, जिनकी संख्या नस्लवाद-विरोधी भीड़ से काफी कम थी।

यह ब्रिटेन के लिए राहत की बात है, क्योंकि कई दिनों से देश में मुसलमानों और आम तौर पर आप्रवासी आबादी को निशाना बनाकर दक्षिणपंथी विरोध प्रदर्शन चल रहे थे, जिसके परिणामस्वरूप पुलिस अधिकारी घायल हो गए, दुकानों को लूट लिया गया और शरणार्थियों के होटलों पर हमला किया गया।

तेजी से निपटाए जा रहे मामले : उपद्रव के बाद 100 से अधिक दंगाइयों पर आरोप लगाए गए हैं और उनके मामलों को अदालती प्रक्रिया में तेजीसे निपटाया गया है। बुधवार को तीन लोगों को जेल भेजा गया, जिनमें से एक को तीन साल की सजा सुनाई गई।

टेलर स्विफ्ट के कॉन्सर्ट में हमले की साजिश

19 साल के संदिग्ध के घर से मिले रासायनिक पदार्थ

वियना। ऑस्ट्रिया से एक बड़ी खबर सामने आई है। यहां की पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार कर एक बड़ी साजिश का खुलासा किया है। गिरफ्तार किए गए संदिग्धों पर आरोप है कि वियना में टेलर स्विफ्ट के आगामी संगीत कार्यक्रमों में कथित रूप से हमला करने की साजिश रच रहे थे।

वियना राज्य के पुलिस निदेशक फ्रांज रूफ और पुलिस प्रमुख गेरहार्ड पर्स्टल ने बताया कि ऑस्ट्रियाई संघीय और राज्य पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए लोगों में से एक 19 वर्षीय युवक था, जिसने कथित तौर पर आईएसआईएस के प्रति अपनी निष्ठा व्यक्त की थी। अधिकारियों ने बताया कि दोनों युवक सोशल मीडिया के माध्यम से कट्टरपंथी बन गए थे और कथित तौर पर हमले को अंजाम देने के बारे में योजना बना रहे थे।

दो लाख लोगों के आने की थी उम्मीद

ऑस्ट्रिया के सार्वजनिक सुरक्षा महानिदेशक फ्रैंकज रुफ ने बताया कि संदिग्ध ने टेलर स्विफ्ट के कॉन्सर्ट पर हमला करने की योजना बनाई थी। गिरफ्तार करने के बाद जब पूछताछ की गई तो उसके आवास के बारे में पता चला। आवास की तलाशी के दौरान रासायनिक पदार्थ पाए गए। अधिकारियों ने कहा कि जांचकर्ता यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या इन पदार्थों का इस्तेमाल बम बनाने के लिए किया गया है। बता दें, ऑस्ट्रिया की कोबरा इकाई, जो एफबीआई की बंधक बचाव टीम के समान है, ने गिरफ्तारी में सहायता की।

अधिकारी रुफ ने बताया कि उत्तरी मैसेडोनिया मूल के किशोर को मुख्य संदिग्ध माना जा रहा है। उसका साथ ऑस्ट्रिया के 17 वर्षीय युवक ने दिया है। यह दोनों युवक एक छोटे समूह का हिस्सा हैं, जिसकी पुलिस जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि हम मामले की पूरी जांच कर रहे हैं। हालांकि, इनकी गिरफ्तारी से खतरा थोड़ा कम हो गया है।

गौरतलब है, वियना में टेलर स्विफ्ट के तीन कॉन्सर्ट होने थे, जिनमें करीब दो लाख लोग हिस्सा लेने वाले थे। हालांकि, अब सरकार के आदेश पर इन कॉन्सर्ट को रद्द कर दिया गया है। पुलिस ने संगीत समारोहों पर हमले की साजिश रचने के संदेह में इन लोगों को हिरासत में लिया था।

अधिकारी ने रुफ पर कहा, 'हंगरी की सीमा के पास टेरनिट्ज शहर में मुख्य संदिग्ध के घर की तलाशी लेने पर रासायनिक पदार्थ और तकनीकी उपकरण जब्त किए गए हैं।' एक अखबार की रिपोर्ट में कहा गया है, शक है कि संदिग्ध ने बम बनाने के लिए रासायनिक पदार्थ अपने काम की जगह से चोरी किए हैं। 19 वर्षीय युवक ने स्टेडियम के बाहर इकट्ठा होने वाली भीड़ पर कार चलाने की योजना बनाई थी और चाकू का इस्तेमाल करने की योजना भी बनाई थी।

ऑस्ट्रिया के गृह मंत्रालय और खुफिया सेवा ने फिलहाल इस बारे में कुछ नहीं कहा है। वहीं, 34 वर्षीय स्विफ्ट ने अभी तक अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर कॉन्सर्ट के रद्द होने पर कोई टिप्पणी नहीं की है।'

हानिया की हत्या से भड़का सऊदी अरब

बताया ईरान की संप्रभुत्ता का घोर उल्लंघन

जेद्दा। सऊदी अरब ने हमास के राजनीतिक ब्यूरो प्रमुख इस्माइल हानिया की हत्या को ईरान की संप्रभुत्ता का घोर उल्लंघन बताया। दरअसल, पिछले महीने ईरान में हानिया की मौत हुई थी। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए सऊदी अरब के डिप्टी विदेश मंत्री वलीद अल खेरेजी ने कहा कि उनका देश राज्यों की संप्रभुत्ता के उल्लंघन या किसी भी देश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप को अस्वीकार करता है। उन्होंने यह बयान इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) के सदस्यों की बैठक के दौरान दिया। बता दें कि हानिया की हत्या के लिए हमास और ईरान दोनों ही इस्त्राइल को जिम्मेदार ठहरा रहा है। हालांकि, इसे लेकर इस्त्राइली सरकार ने कोई भी बयान जारी नहीं किया।

हानिया की हत्या के लिए इस्त्राइल को ठहराया जा रहा जिम्मेदार तेहरान में हानिया की हत्या

के लिए ओआईसी इस्त्राइल को जिम्मेदार ठहरा रहा है। इसे लेकर ईरान ने जवाबी कार्रवाई करने की कसम खाई है। इस बैठक के बार जारी एक बयान में कहा गया, इस हमले के लिए संगठन इस्त्राइल को पूरी तरह से जिम्मेदार मानता है। इस्त्राइल ने ईरान की संप्रभुत्ता का गंभीर उल्लंघन किया है।

गाम्बिया के विदेश मंत्री मामदौ तंगारा ने कहा, हानिया की हत्या और गाजा में युद्ध क्षेत्रीय संघर्ष का कारण बन सकता है। उन्होंने हानिया की हत्या को ईरान की संप्रभुत्ता का उल्लंघन बताया। इस तरह के जघन्य कृत्य केवल तनाव को बढ़ाने का काम करता है, जिसमें पूरा क्षेत्र शामिल हो सकता है। बैठक में तंगारा ने स्थायी शांति का आह्वान किया।

ईरान और फलस्तीन ने बुलाई ओआईसी की बैठक : ईरान और फलस्तीन ने जेद्दा में ओआईसी की बैठक बुलाई थी। ईरान ने इस्त्राइल के खिलाफ जवाबी कार्रवाई और कठोर सजा देने की कसम खाई है।

डीएम की अध्यक्षता में मिलेट्स की वार्षिक कार्ययोजना की बैठक आयोजित

जिन ग्राम पंचायतों की उत्पादकता कम है, का कारण पता लगाकर उत्पादकता बढ़ायें : जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह

गाजियाबाद, करंट क्राइम। महात्मा गांधी सभागार, कलैक्ट्रेट में जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में वर्ष 2024-25 के लिए कृषि निदेशालय उ.प्र. लखनऊ से प्राप्त कार्ययोजना में दिये गए सम्बन्धित विभागों को आवंटन तथा उ.प्र. मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम की गाइडलाइन में दिये गए निर्देशों के क्रम में मिलेट्स की वार्षिक कार्ययोजना की बैठक आयोजित हुई। बैठक के दौरान सर्वप्रथम राम जतन मिश्र उप कृषि निदेशक गाजियाबाद ने आत्मा योजनान्तर्गत कराये गए कार्यों के सम्बन्ध में जानकारी दी। वित्तीय वर्ष 2024-25 में कृषि विभाग एवं सहयोगी विभागों को आवंटित किये गए लक्ष्यों के सम्बन्ध में अवगत कराया तथा उ०प्र० मिलेट्स पुनरोद्वार कार्यक्रम के अन्तर्गत वर्ष 2024-25 में कराये जाने वाले कार्यों की जानकारी भी दी गई।

भूमि का मूल्यांकन करते हुए मिलेट्स फसलों का क्षेत्रफल बढ़ाया जाएं : मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल

करंट क्राइम। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल ने निर्देशित किया कि कृषक भ्रमण एवं कृषक प्रशिक्षण में छोटे-छोटे ग्रुप बनाकर कृषकों को प्रशिक्षण एवं भ्रमण के लिए भेजा जाए। तदोपरान्त उन कृषकों से प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त जानकारियों को कितना अपनाया गया है, के सम्बन्ध में फीडबैक भी प्राप्त किया जाए। निर्देशित किया कि कराये जाने वाले प्रशिक्षण, भ्रमण एवं गोष्ठियों आदि का चार्ट बनाकर समयान्तर्गत पूर्ण किया जाए। आत्मा एवं मिलेट्स योजना की बिन्दुवार समीक्षा कर कृषि एवं सहयोगी विभागों को निर्देशित किया कि महिला खाद्य सुरक्षा समूह का गठन किया जाए, जिसके सम्बन्ध में उपायुक्त एन०आर०एल०एम० से सम्पर्क करने के लिए कहा गया। बैठक में आत्मा गवर्निंग बोर्ड के समस्त जनपदीय अधिकारी एवं प्रगतिशील कृषकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि क्षेत्रों की मिट्टी का जायजा लेते हुए किसानों को अवगत कराया जाए कि वहां कम से कम पानी में अधिक से अधिक मुआवजे वाली कौन—कौन सी फसलें उगाई जा सकती हैं उसकी जानकारी दी जाएं। अनुरूप क्षेत्रों में आवश्यकतानुसार खेती करने की जरूरत है।

दलहन, तिलहन, सब्जी एवं मिलेट्स की फसलों का क्षेत्रफल बढ़ाया जाए : जिलाधिकारी

करंट क्राइम। जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह ने उपस्थित जनपदीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि दलहन, तिलहन, सब्जी एवं मिलेट्स की फसलों का क्षेत्रफल बढ़ाया जाए। जिन ग्राम पंचायतों की उत्पादकता कम है का कारण भी पता लगाते हुए तथा आगामी मौसम में उन ग्राम पंचायत में कृषि की नवीनतम तकनीकी का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार कराकर उत्पादन में वृद्धि की जाए। कहा कि कृषक रतिराम विकास खण्ड लोनी से हुई बातचीत के क्रम में भूमि का मूल्यांकन करते हुए मिलेट्स फसलों का क्षेत्रफल बढ़ाया जाना सम्भव है। बैठक के दौरान मुख्य रूप से जिला विकास अधिकारी प्रज्ञा श्रीवास्तव, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. एसपी पाण्डेय, विद्यालय निरीक्षक, उद्यान अधिकारी, पीपीओ, जिला सूचना अधिकारी सहित अन्य अधिकारीगण/किसान उपस्थित रहें।

- क्यों कहा कहने वाले ने कि नदिया पार की भंडारी मैडम डाल डाल है तो रावत दीदी है पात पात ? दोनों खूब लगा रही है आजकल कुछ बड़ा पाने की चाहत में दौड़ ? कोई लखनऊ पहुँच रही है तो किसी ने बेस बनाया हुआ है गाज़ियाबाद ? हमने देखा पार्टी कार्यालय पर रावत दीदी रही बुधवार को काफी देर मौजूद ? दो घंटे तक नजर आया उनका पार्टी कार्यालय पर वजूद ? जब तक कमांडर के नहीं हुए दीदार ? तब तक वो नहीं निकली कार्यालय से बाहर ?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि मैं आपको बता रहा हूँ एक बात, जो नहीं है बिल्कुल भी छोटी ? नदिया पार के जेई ने ब्लॉक किया हुआ पार्षद का मोबाइल नंबर ? जिनको बुलाती है क्षेत्र की जनता मिस्टर कराकोटि ? सुना है जेई की इस हरकत की कि थी पार्षद ने जीडीए के बड़े अधिकारी से भी शिकायत ? लगता है अधिकारी ने शिकायत को नहीं समझा किसी लायक ? आज भी जेई ने किया हुआ है कराकोटि जी का नंबर ब्लॉक ? पार्षद की इतनी घोर अनदेखी को देखकर हमारा तो माइंड हो गया है बहुत ज्यादा शॉक ?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि मैं आपको शुरू से बता रहा हूँ चोटी वाले त्यागी जी पर लगातार चल रही है पहलवान और पहलवान के दोस्त की मेहरबानी ? यदुवंशी जी से मुलाकात के बाद चोटी वाले त्यागी जी पर अगले दिन भी जारी रही दोनों दोस्तों की मेहरबानी ? गुरुवार को फिर लेकर चले दोनों दोस्त चुटिया वाले त्यागी जी को अपने साथ ? स्वतंत्र देव भाईसाहब से फिर कराई दोनों ने चोटी वालों की शानदार मुलाकात ? मुलाकात के दौर में और कोई भी संगठन का पदाधिकारी नहीं नजर आ रहा था निकट ? कि स्मत हो तो संदीप भैया जैसी ? जिन्होंने ने ना जाने गिरा दिए अपनी सूझबूझ से कितनो के विकट ?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि इंदिरा जी मंडल के एक भगवा मेम्बर आजकल करा रहे है अपनी मोहल्ले में स्थापित नॉनवेज की दुकानों का सर्वे ? कहने वाले ने कहा, जिस कार्य को निगम की टीम दे सकती है अंजाम ? कोई तो गहरी बात है जो पार्षद जी ने अपने हाथ में ले लिया है ये वाला काम ? सर्वे करने के बाद इन दुकानों पर कुछ तो प्रेशर वो बनायेंगे जरूर ? धीरे धीरे हौले हौले वो पुराने चावल होने लगे है हुजूर ?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि ये हमे पता नहीं कि इसमें मेम्बर नरेश भैया की सहमति है या नहीं ? मगर उनका और विधायक जी का फोटो लगाकर एक प्राइवेट स्कूल वाले ने कर दिया है चौराहे का नया नामकरण ? उन्होंने विष्कर्म जी के नाम के साथ अपने स्कूल का नाम जोड़कर दे दिया है चोराहे को नया नाम ? कहने वाले ने कहा, अगर ये परम्परा ऐसे ही चली तो फिर गाज़ियाबाद में बदल जाएँगे कई स्कूलों के नाम ? कहने वाले ने कहा, हो सकता है इस मामले में पार्षद की सहमति ने दिया हो स्कूल वालों को बल? बिना पार्षद की जानकारी में कोई परिंदा मोहल्ले में पर भी नहीं मार सकता ? मगर स्कूल वाले ने तो पार्षद का फोटो नए नामकरण के बोर्ड में साथ लगाकर निकाल लिया है हर समस्या का हल ?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि मैं खड़ा था नवयुग मार्केट में ? वहाँ दो चेहरों के बीच में बाजार बंद के दौरान हो रही थी चर्चा जारी ? ये कर रहे थे पार्षद राजीव शर्मा की जमकर तारीफ ? कह रहे थे हमारा पार्षद मजबूत नहीं होता तो टूट जाती व्यापारी की दुकान और प्रशासन पड़ जाता हम सब पर भारी ? हमसे फाउल हो गया जो इस बार हमने नहीं दिया राजीव भैया को वोट ? जब वो हमारे लिए प्रशासन से भिड़ने के लिए हमेशा तैयार है ? तो हमारा भी है उनको आज से हंड्रेड परसेंट सपोर्ट ? ऐसा व्यक्ति बनना चाहिए विधायक, मेरी बात को तुम कर लो नोट ?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि वो करले कितने ही हवन और कर्मकांड ? जो है उनकी सबसे बड़ी शिकायत ? उसकी पूरी नहीं होने वाली है डिमांड ? तीन तारीख तो कब की निकल गई है यार ? लेकिन जो जहाँ है वैसे के वैसे ही है ? कोई चाहकर भी उनका कुछ नहीं कर पाया है यार ? चलो हम कर लेते है सप्ताह भर का इंतजार ? अगर इतने दिन में हो गाया काम, तो हम मान लेंगे की भगवान ने सुन ली है उनकी पुकार ?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि भगवा कमांडर पर आ गया भगवा गढ़ के वरिष्ठ ओबीसी नेता की सुरक्षा से जुड़ा हुआ मैटर ? सुना है इनके किसी अहम व्यक्ति की सुरक्षा पर लगा दिया गया है बड़ा चार्ज ? सुना है इस मामले में है ओबीसी नेता को कमांडर से बहुत ज्यादा उम्मीद ? वो जानते है, कमांडर का पुलिस के बड़े अधिकारी से बहुत ही अच्छा है व्यवहार ? देखना अब ये है, जिनकी की थी कमांडर ने सोशल मीडिया पर खुलकर तारीफ ? क्या वो अधिकारी मानेगें कमांडर की बात ? या तारीफ को कर दिया जाएगा कानून के फामूर्ले लगाकर खारिज ?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि मैं बैठा था एक पार्षद के पति के साथ ? ये वही पति है जिनके रहते है क्रांतिकारी अंदाज ? इन्होंने चर्चा के बीच में निकाली क्रांतिकारी आवाज ? कहा मैं नगर निगम के मौजूदा लड़ाई में बिल्कुल भी नहीं हूँ मेयर के साथ ? मेरा खुलकर है इस मामले में नगरायुक्त जी को सपोर्ट ? चाहो तो इस बात को करा दूँ में निगम के मिनिट्स में नोट ? अगर हो जाये दोनों के बीच में इलेक्शन ? नगरयुक्त का झंडा उठाकर मैं माँगूंगा उनके लिए ही वोट ? कहने वाले ने कहा, ये वो ही क्रांतिकारी चेहरे है, जिन्हे मिलता है पहलवान के दोस्त का छप्पर फाड़ कर सपोर्ट ?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि निगम वाली तकरार में आ गए हैं रडार पर चार मेंबर हसबैंड? सुना है इनमे से 2 तो बैठ कर करते हैं सुनवाई? ये बात भी निगम तक एक भाजपाई ने ही पहुंचाई? कहने वाले ने कहा अब वार्ड वाले पति रहें जरा सावधान? पुरानी कहावत है बड़ी लड़ाई में न हो जाए छोटो का नुकसान?:

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

15 करोड़ की लागत से बनेगा बायोडायवर्सिटी फॉरेस्ट

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक का सफल हुआ प्रयास

गाजियाबाद की आवोहवा में होगा सुधार

गाजियाबाद, करंट क्राइम। बायोडायवर्सिटी फॉरेस्ट को लेकर पिछले कई वर्षों से स्वीकृति के लिए प्रयास चल रहा है, जिसमें नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक को इस बार सफलता मिल गई है। गाजियाबाद के शहरवासियों की सुविधा को देखते हुए बायोडायवर्सिटी फॉरेस्ट को शासन ने स्वीकृति दे दी है। लगभग 15 करोड़ की लागत से इस्लामनगर माधोपुर में लगभग 60 एकड़ में बायोडायवर्सिटी फॉरेस्ट बनाया जाएगा। लगभग 38 सुविधाओं से युक्त होगा बायोडायवर्सिटी फॉरेस्ट। गाजियाबाद नगर निगम ने शहर में आधुनिक जंगल बनाने की रूपरेखा बनाई है जिसमें पूरे पार्क को आधुनिक प्रक्रिया से व्यवस्थित किया जाएगा। नाले के पानी का ट्रीटमेंट होकर पौधों के लिए उपयोगी बनाया जाएगा। बायोडायवर्सिटी फॉरेस्ट में रिसर्च सेंटर का भी किया गया है प्रबंधन।

60 एकड़ में 38 सुविधाओं से युक्त बनेगा बायोडायवर्सिटी फॉरेस्ट : नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक

करंट क्राइम। नगर आयुक्त ने बताया कि शहरवासियों को गाजियाबाद नगर निगम एक आधुनिक पार्क बायोडायवर्सिटी फॉरेस्ट जल्द देने जा रहा है, जिसको पूर्ण रूप से टेक्निकल पर आधारित बनाया जाएगा। निगम की ओर से कई वर्षों से प्रयास किया जा रहा था जो कि अब पूर्ण हो गया है जिसकी स्वीकृति शासन ने दे दी है। बायोडायवर्सिटी पार्क बनाने की तैयारी रफ्तार से की जाएगी। शहर को एक ऑक्सीजन प्लांट के रूप में बायोडायवर्सिटी फॉरेस्ट सफल रहेगा।

महामाया स्टेडियम के पीछे बनेगा बायोडायवर्सिटी फॉरेस्ट

करंट क्राइम। विशाल बायोडायवर्सिटी फॉरेस्ट में लगभग 400 से 450 प्रजातियां पौधों की लगाई जाएंगी जिसमें जलीय पौधे, कैक्टस, क्लैमर आदि कई तरह के पेड़ औषधियां एवं जड़ी-बूटियां, बांस आर्किड एवं साइकस की प्रजातियां भी लगाई जाएंगी। फॉरेस्ट में अन्य आधुनिक व्यवस्थाओं के साथ-साथ वहां होने वाला कूड़ा कचरा को ग्रीनमाउंट में तब्दील किया जाएगा। पार्क में रिसर्च सेंटर का भी प्रबंध किया गया है जिसमें लोग जैव विविधता के बारे में जानकारी भी प्राप्त कर सकेंगे। पौधों की सिंचाई के लिए सीवेज वाटर को साइट पर ही साफ कर किया जाएगा। इस्तेमाल उद्यान प्रभारी डॉ. अनुज कुमार ने बताया कि नगर आयुक्त के निर्देशानुसार शहर को तकनीकी युक्त पार्क देने की तैयारी के लिए आदेश प्राप्त हुए हैं। समस्त कार्यवाही के उपरांत जल्दी ही बायोडायवर्सिटी फॉरेस्ट बनाने के लिए तैयारियां तेज की जाएंगी। महामाया स्टेडियम के पीछे बनाया जाएगा जिसके लिए टेक्निकल टीम का भी चयन बृहद स्तर पर किया जायेगा ताकि शहरवासियों को गाजियाबाद नगर निगम एक बेहतर बायोडायवर्सिटी फॉरेस्ट उपयोग हेतु दे सके। आने वाली पीढ़ी भी उस पार्क से उद्यान तथा पर्यावरण संबंधित बातों को समझ सके। बायोडायवर्सिटी फॉरेस्ट के अंदर ग्रीन एरिया की सिंचाई करने के लिए सीवेज वाटर को साइट पर ही साफ किया जाएगा तथा उसको सिंचाई हेतु उपयोगी बनाया जाएगा।

जन सहयोग और सुझावों से बनाया जाएगा बायोडायवर्सिटी फॉरेस्ट

करंट क्राइम। बायोडायवर्सिटी फॉरेस्ट का आनंद गाजियाबाद एवं आसपास के शहर के लोग उठा पाएंगे तथा दूरदराज से आने वाले यात्री भी इस आकर्षक पार्क का हिस्सा बनेंगे। गाजियाबाद के अलावा भी अन्य प्रदेशों में भी इसकी प्रसिद्धि रहेगीद्ध। योजना के तहत पार्क में निर्माण कार्य कराए जाएंगे। पूर्व नगरआयुक्तों ने भी बायोडायवर्सिटी की स्वीकृति के लिए प्रयास किया था किंतु गाजियाबाद नगर निगम ने इस बार शासन से स्वीकृति प्राप्त कर ली है। शहरवासियों को इस बायोडायवर्सिटी फॉरेस्ट का लाभ प्राप्त होगा। जन सहयोग और सुझावों से बायोडायवर्सिटी फॉरेस्ट को बेहतर बनाने का कार्य किया जाएगा।

कांग्रेस महानगर अध्यक्ष विजय चौधरी ने लिखा राष्ट्रपति को पत्र

स्टार खिलाड़ी विनेश फोगाट के साथ हुआ है षड्यंत्र

गाजियाबाद, करंट क्राइम। महानगर अध्यक्ष विजय चौधरी ने महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लिखा कि कुश्ती की हमारी स्टार खिलाड़ी विनेश फोगाट अपना शानदार खेल खेलते हुए कुश्ती के फाइनल मैच में पहुंच चुकी थीं परंतु अचानक से खबर आई कि उन्हें मैच से अयोग्य घोषित कर दिया गया है। इस प्रकार से मैच के लिए अयोग्य घोषित होना उनके खिलाफ गहरी साजिश प्रतीत होती है। देश की जनता की भावनाओं को देखते हुए हमारी स्टार खिलाड़ी विनेश फोगाट के खिलाफ हुई साजिश की जांच कराकर उचित कार्यवाही कराने की कृपा करें।

जिला एवं सत्र न्यायालय, जिला कचहरी गाजियाबाद में 14 सितम्बर को लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत

गाजियाबाद, करंट क्राइम। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अपर जिला जज/ सचिव कुमार मिताक्षर ने सर्व साधारण को सूचित किया है कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के निर्देशानुसार शनिवार, 14 सितम्बर, 2024, समय प्रातः 10 :00 बजे, स्थान जिला एवं सत्र न्यायालय, जिला कचहरी गाजियाबाद में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। जनपद गाजियाबाद में जिला न्यायाधीश / अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गाजियाबाद अनिल कुमार के निर्देशन में लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा। इस लोक अदालत में आपराधिक शमनीय वाद, धारा 138 पराक्रम्य लिखित अधिनियम, श्रम विवाद, भूमि अधिग्रहण वाद, विद्युत एवं जल बिल विवाद, वादकारी दीवानी, फौजदारी के लघु मामले, मोटर एक्सीडेंट क्लेम, बैंक रिकवरी, मोटरयान चालान, पारिवारिक विवाद, उत्तराधिकार वाद एवं दाम्पत्य विवादों के प्री-लिटिगेशन स्तर पर निस्तारण के लिए समस्याओं का निस्तारण सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारित करा सकते हैं।

महागुनपुरम सोसायटी ने मनाया धूमधाम से हरियाली तीज का त्योहार

गाजियाबाद, करंट क्राइम। महागुनपुरम सोसायटी में गुरुवार को हरियाली तीज का त्योहार धूमधाम के साथ क्लब हाउस में मनाया गया, जिसमें सोसायटी की सभी महिलाओं ने तीज के अवसर पर नृत्य, गायन, खेल एवं रतिभोज का पूर्ण आनंद लिया। इस अवसर पर तीज क्वीन प्रतिस्पर्धा में अनामिका को तीज क्वीन चुना गया। प्रोग्राम ऑर्गेनाइजर अंशु तोमर, गर्विता बी सिरोही, सोनिया तायल, अनन्य त्रिपाठी प्रतिवर्ष सोसायटी में तीज का प्रोग्राम अत्यंत ही भव्यता से आयोजित करती आ रही हैं। उन्होंने बताया की पूरे वर्ष महिलाएं घर-गृहस्थी एवं अपने पेशे में व्यस्त रहती हैं इसलिए सोसायटी में उनका प्रयास है कि सभी महिलाएं हरियाली तीज त्योहार अच्छे से मनाएं।

दैनिक करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। गोवा में जलवा गाजियाबाद वालों का रहा। बीवीसीआई की बैठक गोवा में हुई। यहां बीवीसीआई की बैठक में वीवीआईपी मैन प्रवीन त्यागी और रविंद्र त्यागी छाए रहे। इस पल को फेसबुक पर साझा किया और यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।